

इनरव्हील क्लब के होली मिलन समारोह में सराबोर हुई महिलाएं

रामगढ़: रंगों के पावन पर्व होली के उपलक्ष्य में रविवार को इनरव्हील क्लब ऑफ रामगढ़ के तत्वावधान में अनुराधा श्रॉफ और नमिता श्रॉफ के निवास स्थान पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब की सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दीं। समारोह के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मनोरंजक खेल और गीत-संगीत ने समां बांध दिया। सदस्यों ने पारंपरिक और आधुनिक गीतों पर झूमते हुए उत्सव का आनंद उठाया। हंसी-टिठोली और मस्ती के बीच पूरा वातावरण होली के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में स्याविष्ट व्यंजनों की भी विशेष व्यवस्था की गई थी।

होली को लेकर सिल्ली थाना में शांति समिति की बैठक

अफवाहों से सावधान रहने की अपील, डीजे पर प्रतिबंध और अराजक तत्वों पर सख्ती की चेतावनी

नवप्रदेश, सिल्ली : होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर रविवार को सिल्ली थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई । इस अवसर पर जिला परिषद सदस्या लक्ष्मी कुमारी , सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार , मुरी ओपी प्रभारी राहुल मेहता , चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विवेक कुमार सहित जनप्रतिनिधि , बुद्धिजीवी , समाजसेवी एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे । बैठक में वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखे ।

वहीं अधिकारियों ने लोगों से होली पर्व को आपसी भाईचारे , समन्वय और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने तथा संदिग्ध सूचना मिलने पर तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करने का आग्रह किया गया । सिल्ली थाना प्रभारी ने चेतावनी दी कि अराजक तत्वों पर पुलिस

होली व रामनवमी से पहले रांची में उत्पाद विभाग की कार्रवाई, नकली विदेशी शराब सहित आठ आरोपी गिरफ्तार

नवप्रदेश, रांची: होली और रामनवमी पर्व को लेकर अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए उत्पाद विभाग लगातार सघन छापेमारी अभियान चला रहा है। इसी क्रम में रविवार को उत्पाद विभाग की टीम ने रांची जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध एवं नकली शराब बरामद की तथा आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया। उत्पाद विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सहायक आयुक्त उत्पाद को मिली गुप्त सूचना के आधार पर विधान सभा थाना क्षेत्र के महुआ टोली एवं डहु टोली, नगड़ी थाना



अंतर्गत गांगी टोली और सेम्बो तथा बेड़ों थाना क्षेत्र के इटा चिनरी गांव में एक साथ छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान इटा चिनरी से 09 पेटी में कुल 290 पीस यानी 73.65 लीटर नकली विदेशी शराब बरामद की गई। इस मामले में एक आरोपित को मौके से गिरफ्तार



बाढ़ू, अनिल लिंदा, सुनील उरांव, अजय कुजूर, रौशन केरेकेट्टा, राजू कच्छप एवं निखिल तिकी शामिल हैं। उत्पाद विभाग ने आरोपितों के पास से कुल 80.925 लीटर विदेशी शराब, 65.1 लीटर बियर, 9.9 लीटर बिजरा, 100 लीटर अवैध चुलाई शराब तथा लगभग 500

किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि पर्व-त्योहार के दौरान अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। वहीं फरार आरोपितों के गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

समाजसेवी मदन भगत की पांचवीं पुण्यतिथि पर सत्संग एवं भंडारे का आयोजन



नवप्रदेश, खुंट्टी: खुंट्टी जिले के मुरू प्रखंड में समाजसेवी स्वर्गीय मदन भगत की पांचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को श्रद्धांजलि सभा, सत्संग एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मुरहू स्थित महर्षि मेही आश्रम शान्तिपुरी शबरी कुटिया में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का आयोजन उनके पुत्र संतोष भगत, सुधीर भगत, सकलदीप भगत तथा सुपुत्री सुजाता जायसवाल द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण शामिल हुए। सत्संग के दौरान स्वामी लक्ष्मण जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य को वास्तविक शांति सत्य के मार्ग पर चलने, ईश्वर का निरंतर स्मरण करने और परोपकार की भावना अपनाने से ही प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि

सत्कर्म और सेवा भाव ही मनुष्य को श्रेष्ठ जीवन एवं मोक्ष की ओर ले जाते हैं। स्वर्गीय मदन भगत की आत्मा की शांति तथा परिजनों के सुख-समृद्धि की कामना करते हुए उपस्थित लोगों ने दो मिन्ट का मीन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में आश्रम के संजय कुमार, सूरजमल साव, डॉ. डी.एन तिवारी, बीरू कुमार, सुंश प्रसाद, सुबोध साव, संतोष गुप्ता, सूरज गुप्ता, राम हरि साव सहित अनेक लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर लोगों ने स्वर्गीय मदन भगत के सामाजिक को की याद करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

21 को मनाया जाएगा प्रकृति महापर्व सरहुल



नवप्रदेश संवाददाता

खुंट्टी: तोरपा के बांदू गांव में रविवार को दूसरा शाखा स्थापना दिवस सह सरना धर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। डॉ सीताराम मुंडा, राजू पाहन सरोज तोपनो, रेशमा मिर्ज़ुर, रोवा भेंगरा व सुष्मिता गुड्डिया की अगुवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल में भगवान सिंगबोंगा की पूजा-पाठ कर सुख, शांति और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर बगरय मुंडा ने कहा कि सरना विश्व का सबसे पुराना धर्म है, जो प्रकृति आधारित है. अब सरना धर्म कोड के लिए राष्ट्रीय परिश्रेय में जोरदार आंदोलन किया जा रहा है, ताकि हर हालत में सरना धर्म कोड जनगणना परिपत्र में आवंटित हो। उन्होंने कहा

कि आजाद भारत में जनजाति समाज के धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मसले को अनदेखा किया जा रहा है जिससे भारत में प्रकृति पूजक को धार्मिक गुलामी और धर्मांतरण के लिए मजबूर हो रहे हैं।

धर्मान्तरण रोकने के लिए भारत सरकार को सरना धर्म कोड यथाशीघ्र लागू करना चाहिए। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड्डिया ने कहा कि सरकार ने प्रकृति महापर्व सरहुल के लिए आगामी 21 मार्च, दिन-शनिवार को सरकारी अवकाश घोषित किया है। सरहुल के लिए अपने घरों, पूजा स्थलों एवं गाडियों में नया सरना झंडा लगाया जाएगा और उसी दिन अपने-अपने क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ सरहुल मनाया जाएगा और

दोपहर को गाजा-बाजा के साथ सरहुल शोभायात्रा निकाली जाएगी। समाज में पुराने मन-मुटाव, आपसी भेद-भाव, ईर्ष्या-द्वेष, नाकारात्मक विचारों को त्याग कर नए फूल और पत्तों की तरह समाज में अच्छाई-सच्चाई, सुख, शांति, खुशहाली, दया, क्षमा, प्रेम एवं भाईचारा का संचार करना है।

कार्यक्रम में धर्मगुरु सोमा कंडीर, धर्मगुरु भैयाराम ओड्डेया, मथुरा कंडीर, मुखिया बिमला डोडराय, बागू मुंडा, रतिया मुंडा, जगपाल हैंबरोम, जीतु पहान, बिरसा तोपनो, जगदेव मुंडा सहित अन्य ने विचार व्यक्त किए। इस समारोह में खुंट्टी, मुरहू, बंदगांव, अड़की, तोरपा, तपकारा, गुमला तथा आस-पास के गांवों के सरना धर्मावलंबी शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

रंगो के यह त्योहार जीवन में लाए खुशिया : शाहदेव



नवप्रदेश, रातू : छेटा नागपुर युवा शक्ति के तत्वाधान में रविवार को छेटा नागपुर फन फैसल पार्क परिसर स्थित रॉयल बैबिट एंड रिजॉर्ट में फगुआ महोत्सव का आयोजन किया गया। फगुवा महोत्सव में युवाओं ने जमकर होली खेली और होली गीतो में जमकर डांस किया। कार्यक्रम में विशेषा रूप से शामिल जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने युवाओं के साथ अबीर गुलाल खेलते हुए कहा कि रंगो का यह त्योहार सभी के जीवन में खुशियां लाए। वहीं नीतेश नाथ शाहदेव ने भी कहा कि युवा शक्ति ने

होली कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगो से तालाब सौंदर्यकरण में शामिल होने की बात कही है जो काफी अच्छी है। युवा शक्ति की मेहनत रंग ला रही है। कार्यक्रम में अजय नाथ शाहदेव ,नितेश शाहदेव ,रमेश शाहदेव ,निर्मला भागत, अतुल राज , राहुल दयाल ,मैक्स कुमार ,शाहनवाज खान ,सुबोध साहू, विकास कुमार, सोनू साहू ,ओम सिंह ,निश्ल नाथ शाहदेव ,राजीव मिश्रा,कैलाश साहू, वैभव सिंह, पदम सिंह, सिंदबाद खान, सुष्मा तिकी , सचिन सिंह, कृष्ण गोप , गोपाल शाहदेव, अमित सहित कई अन्य उपस्थित थे।

फरार दो वारंटी गिरफ्तार

खुंट्टी: जिले के अड़की थाना की पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे दो स्थायी वारंटियों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी अभियान चलाकर दोनों आरोपितों को घर दबोधा और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। पुलिस की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अड़की थाना कांड (संख्या-14/11, ST-215/14, GR-153/11) के आरोपित राबर्ट मुंडा (32)को गिरफ्तार किया गया। वहीं अड़की थाना कांड (संख्या-21/11, ST-61/12, GR-223/11) के आरोपित मनसिद नाग उर्फ एसी

मैकलुरकी गंज में यादव समाज का होली मिलन समारोह, यादव जी लव स्टोरी फिल्म का विरोध



नवप्रदेश, बुढमू : यादव समाज के रांची जिला के कार्यकारणी अध्यक्ष रामलितास गोप के नेतृत्व में मैकलुरकी गंज में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रातीय यादव महासभा झारखंड के निदेशानुसार यादव एक्ता मंच मैकलुरकी गंज की ओर से फिल्म यादव जी लव स्टोरी का जमकर विरोध किया किया गया। इस दौरान यादव समाज के लोगों अपने संबोधन में यादव समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज में एकजुटता बनाने

और समाज के कुतियों के बारे में बातें कहीं! और होली मिलन समारोह में उपस्थित लोगों ने एक दूसरे को रंग अबीर गुलाल लगाकर होली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप यादव और धन्यदात ज्ञापन मुकेश यादव ने किया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से यादव समाज के बुढमू प्रखंड अध्यक्ष नरेश यादव, यादव समाज बुढमू के युवा नेता अजय कुमार यादव, यादव समाज के रांची जिला प्रभारी राजेश यादव शामिल हुए।

होली का त्योहार खुशियां और भाईचारे का देता है संदेश : रवि

नवप्रदेश, रामगढ़: होली पर्व शांतिपूर्ण मानने को लेकर रविवार को रामगढ़ थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीओ रवि रमेश ने किया, जबकि बैठक में रामगढ़ थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर नवीन प्रकाश पांडे उपस्थित थे। इस दौरान बैठक में होली पर आपसी सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर शांति समिति के सदस्यों के साथ विचार विमर्श किया गया। साथ ही समाज को जो तोड़ने में भ्रम फैलाते है। वैसे लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई करने की बात कही गई। मौके पर बैठक को संबोधित करते हुए सीओ रवि रमेश ने कहा कि रंगों का त्योहार खुशियों और भाईचारे का संदेश देता है। इसे हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए। बैठक के बाद शांति समिति के सदस्यों और पदाधिकारी ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। बैठक में सब इंस्पेक्टर मंजेश कुमार, दीपक रजक, राजेश मुंडा, एएसआई चंद्रशेखर पिंपावा के अलावा कमल बगड़िया, इंद्रपाल सिंह सैनी, बिमल बुधिया, वार्ड पार्षद जयंती देवी, ललितदा देवी, सुष्मा देवी, रणधीर गुप्ता, शंकर मिश्रा, धीरज राम सहित अन्य उपस्थित थे।

जगत ज्ञान पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव “उदयन 2026” संपन्न

नवप्रदेश, पिस्का नगड़ी: शिक्षा, संस्कृति और संस्कारों का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हुए जगत ज्ञान पब्लिक स्कूल, पिस्का नगड़ी का वार्षिक उत्सव उदयन 2026 संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ एस्के सिंह (एमबीबीएस, एमडी मेडिसिन) द्वारा फीता काटकर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया गया। इसके बाद अतिथियों स्वागत किया गया। कक्षा 11 के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना ने कार्यक्रम को मंगलमय आरंभ दिया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक ई. संदीप राज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों, भावी योजनाओं और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. दिवाकर कुमार, चंदन प्रजापति (अध्यक्ष, झारखंड लेखक संघ) एवं गौरव मोदी (निदेशक, मोदी पब्लिक स्कूल) की उपस्थिति



रही। विद्यालय प्रशासन द्वारा सभी अतिथियों को शॉल, पौधा और स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में संस्थान के संस्थान सचिव डॉ. पंकज राज ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का आह्वाण किया उन्होंने कहा कि किसी अभिभावक की एक पुत्री है, तो संत जात जात सरोवर संस्था द्वारा उसे नि:शुल्क प्रवेश प्रदान किया जाएगा तथा केवल आधी मासिक शुल्क देनी होगी। प्राचार्या जसमंती देवी ने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों और शिक्षकों के समर्पण की



सराहना की। उप प्राचार्या सुनीता सिंह ने अनुशासन और नियमित उपस्थिति को सफलता की कुंजी बताया। एएमएससी सदस्य रोशनी ने अभिभावकों की भूमिका को बच्चों के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

डॉ. अजय कुमार राज ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहने और समाज के प्रति जिम्मेदार बनने की प्रेरणा दी। नर्सरी के नन्हे-मुन्हे बच्चों ने आई एम अ डिस्को डॉन्परहू पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। इसके साथ ही बच्चों द्वारा

कई मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। समारोह के दौरान नर्सरी से लेकर कक्षा 11 तक बेस्ट पेरेंट्स अवॉर्ड दिए गए, कक्षा 10 एवं जेईई मेन्स के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही 100 प्रतिशत उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार प्रदान कर अनुशासन और निरंतरता के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया और राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। समारोह के सफल आयोजन में शिक्षक शिक्षिकाएं और विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके पर डॉ. ऋचा, रितेश राज, ओमप्रकाश महतो,अजय कुमार मेहता, अवधेश भगत, गीता देवी, . दीकेश्वर पांडेय, केशव सोनी रामजीवन केसरी, पुष्कर भगत, दीपक केसरी, संजय सोनी सहित बड़ी संख्या में बच्चे और अभिभावक उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

होली को लेकर मांडर थाने में शांति समिति की बैठक



नवप्रदेश, मांडर : मांडर में आगामी होली पर्व को लेकर मांडर थाना में शांति समिति की बैठक अंचल सह प्रखंड विकास पदाधिकारी चंचला कुमारी की अध्यक्षता में हुई जिसमे होली शांति पुर्ण माहौल में आपसी प्रेम एवं भाईचरगी के साथ मनाने का निर्णय लेते हुए अफवाहों से बचने की बात कही गई।इस अवसर पर रामबालक ठाकुर ने मांडर पंचायत भवन के समीप चल रहे गंजा एवं अन्य मदक ल पदार्थो पर

प्रशासन का ध्यान आकृस्ट कराते हुए उस पर रोक लगाने की बात कही मौके पर प्रखंड प्रमुख फिलिप सहाय एक्का, अप प्रमुख अमानत अंसारी , थाना प्रभारी मनोज करमाली, , कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष मंगा उराव, रहमान अंसारी, शैलवाहण कुमार, अनूप राम, नारु उराव, बंधु उराव,लक्ष्मण भगत,राजकुमार गुप्ता,आनंद महली, तस्लीम अंसारी, अंशोक कुमार साहू सहित अन्य उपस्थित थे।

12 पडहा सरहुल पूजा समिति सिमलिया की बैठक, मुकेश भगत बने अध्यक्ष

नवप्रदेश, रातू : 12 पडहा सरहुल पूजा मिलन महोत्सव समिति की बैठक रविवार को सिमलिया दलादिली मैदान में हुई। बैठक में 21 मार्च को सरहुल पूजा मिलन महोत्सव का

शामिल होंगे। मुकेश भगत ने युवाओं से आग्रह किया है कि नशा मुक्त जुलूस हो। बैठक में संरक्षक रातू प्रमुख संगीता देवी, सिमलिया मुखिया फुलमनी देवी, गुटुआ उपमुखिया प्रवीण उराव,

महादेव उराव, किशोर उराव, अमित उरांव, पारस उरांव, साजन मुंडा, बिरसु मुंडा, पिंदू तिकी, सीताराम उरांव, अजय भगत, विशु उराव, रोहित उरांव बबीता कुजूर, माईकल लकड़ा, मोहन मिंज, अभिषेक पाहन, विकास खोया, सोमरा उरांव, बीरू मुंडा, अनिल लोहारा, रंजीत लोहार, हौडा उरांव, विजय उराव, ध्रुतु तिकी आशिन उरांव, मंगल उराव, रमेश मुंडा सहित अन्य थे।

यज्ञ पूणाहुति, हवन व महाभंडारा के साथ नौ दिवसीय वार्षिकोत्सव संपन्न



नवप्रदेश, रातू : प्रखंड मुख्यालय स्थित मां काली मंदिर का 25 स्थापना दिवस रविवार को यज्ञ की पूणाहुति, हवन व महाभंडारा के साथ संपन्न हो गया। 25 वे स्थापना दिवस को लेकर पुरे मंदिर सहित आसपास आकर्षक विद्युत सज्जा की गई थी। नौ दिवसीय कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में सात दिनों तक श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया। वहीं मंदिर परिसर में ही सात दिन चलने वाले लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भी समापन हो गया। मां काली मंदिर के 25 वे स्थापना दिवस को लेकर मां काली का भव्य शृंगार

भी किया गया। यज्ञ स्थल में कलश यात्रा में शामिल महिलाओ से हवन कराया गया। हवन के समापन पर मां काली की विशेष आरती की गई। इसके बाद महाभंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें शामिल होकर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया। महाभंडारा में भाजपा नेत्री सीमा शर्मा व कांग्रेस के महासचिव अजय नाथ शाहदेव भी शामिल हुए। इस दौरान मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा होली मिलन का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संपन्न कराने में मौदा समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

टिकरा टोली में सर्वश्वरी ग्रुप का नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, 172 मरीजों का हुआ इलाज

नवप्रदेश, रातू : प्रखंड के टिकराटोली में रविवार को सर्वेश्वरी ग्रुप द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 172 मरीजों को नि:शुल्क चिकित्सीय परामर्श एवं दवाईयों प्रदान की गई। शिविर का शुभारंभ परमपूज्य अश्वेश्वर भगवान राम जी एवं परमपूज्य बाबा गुरुपद सभराम राम जी की तस्वीरों की विधिवत पूजन के साथ किया गया। इसके बाद मरीजों की जांच प्रारंभ हुई। शिविर में एलोपैथिक एवं होम्योपैथिक दोनों पद्धतियों से परामर्श दिया गया तथा आवश्यक दवाइयों का नि:शुल्क वितरण किया गया। मरीजों की सुविधा के लिए ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर की जांच की भी व्यवस्था की गई थी। चिकित्सा सेवा प्रदान करने वालों में डॉ. एसएन सिन्हा, डॉ.

रंजन नारायण, डॉ. शंकर रंजन, डॉ. उत्पल, डॉ. स्वीटी रानी, डॉ. शाम्भवी रानी एवं डॉ. निधि आनंद शामिल रहे। शिविर के सफल आयोजन में धर्मनंद सिंह, जितनन्दन महतो, मंतोष महतो, सोरभ राज, ऋषभ सिंह,समर प्रताप सिंह एवं प्रमोद गोष सहित अन्य सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं शाखा रॉबी की ओर से श्री राधेश्याम सिंह, श्री आनन्द सिंह, श्री अरुण सिंह, श्री यदुनाथ शाहदेव, श्री आशुतोष कुमार, श्री सुनील सिंह, श्री प्रताप आदित्य नाथ शाहदेव, श्री पवन कुमार, श्री बद्रीनाथ शाहदेव, श्री भूपेन्द्र नाथ शाहदेव, श्री अनिरुद्र नाथ शाहदेव, श्री अंजनी सिंह, श्री बालदेव उराँव, श्री गिरिन्द्र नाथ शाहदेव, श्री ऋषि राज, श्री सुधीर कुमार एवं श्री दश कुमार सहित लगभग 20 सदस्य उपस्थित रहे।

गलउ पंचायत के 99 किसानों के बीच ओल बीच का हुआ वितरण



नवप्रदेश, सोनाहातू: प्रखंड के गलउ पंचायत अंतर्गत दिङ्गरी गांव में रविवार को पंचायत के 99 किसानों को उद्यान विकास योजना अंतर्गत ओल बीज का वितरण किया

गया मुखिया सावना महली के उपस्थिति में उद्यान मित्र चंचला कुमारी ने ओल बीज का वितरण किया ।मौके काफी संख्या में किसान मौजूद थे।

पांवपरगना सुखद सत्संग केन्द्रीय कमिटी की बैठक संपन्न

नवप्रदेश, सोनाहातू: सोनाहातू बाजारटांड स्थित मध्य विद्यालय के प्राण में रविवार को पांवपरगना सुखद सत्संग केन्द्रीय समिति की बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष डॉ सोहनलाल महतो ने की। बैठक का संचालन महातीने किया। पांवपरगना सुखद सत्संग केन्द्रिय परेश राम महतो ने किया। सत्संग में सोनाहातू के अलावे बुढपू व तमाड क्षेत्र के लोगों ने शामिल हुए।कहीं लोगों ने एक स्वर में कहा कि आगामी 20 से 22 मार्च को होने वाले सत्संग कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया जाएगा।इसके लिए पूरे प्रखंड क्षेत्र को चार जॉन में बांटा गया।पूरी क्षेत्र के चार पंचायत हारिन, लांडपुडीह, हैसाडीह एवं पंडाडीह पंचायत को एक जॉन में रखा गया। जिसमें हिकिम सिंह मुंडा कृष्ण सिंह मुंडा, कुंजबिहारी समेत 13 सदस्यों को प्रभारी बनाया गया है। वहीं

सोनाहातु पश्चिमी क्षेत्र में डॉ सोहनलाल महतो राधामोहन सिंह मुंडा परेश महतो खरोश महतो पुरन महली, संजय कार्जी, धनंजय महतो, हरेश महाती महादेव महतो मधु मंडल दिलेश्वर कोइरी समेत 12 सदस्यों को प्रभारी बनाया गया है। निर्णय लिया गया कि सत्संग कार्यक्रम का समय बहुत ही नजदीक हो गया है इसलिए 2 मार्च से रोज टीम प्रभारी अपने अपने साथियों के साथ क्षेत्र के गाँव महलों में जन सम्पर्क अभियान को रस्ताार रूप देते हुए आमरण पत्र देने में शामिल किया जाएगा। ताकि कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सके।बैठक में प्रभारी के अलावे बिनोद शाह, अक्षय महतो बिपद भंजन महतो,हिमगिरि प्रमाणिक, महतलाल सिंह मुंडा,समेत कई लोग शामिल थे।

होली मिलन में गूँजा मजदूर एकता का सदेश, समस्याओं के समाधान का आश्वासन



नवप्रदेश, बोकारो: बालिडीह स्थित रियांश मैरिज हॉल में रविवार को भारतीय क्रांतिकारी मजदूर संघ (इडटर) के तत्वावधान में भव्य मजदूर मिलन सह होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बोकारो औद्योगिक क्षेत्र जियाडा के विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी एवं सैकड़ों मजदूरों ने भाग लिया। समारोह की शुरुआत आपसी भाईचारे और सौहार्द के प्रतीक अबीर-गुलाल के साथ हुई। उपस्थित मजदूरों और पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं देते हुए संगठन की एकता और मजबूती पर बल दिया। इस अवसर पर मजदूर हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा उनके शीघ्र समाधान के लिए संगठन द्वारा ठोस पहल करने का भरोसा दिलाया गया। कार्यक्रम

सर्व धर्म समभाव को मजबूत करता है होली मिलन समारोह : बी.के. चौधरी

नवप्रदेश, बोकारो: जय झारखंड मजदूर समाज एवं सखा सहयोग सुरक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में यूनिवन कार्यालय में शुक्रवार देर रात तक भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी जाति, धर्म और समुदाय के इस्पातकर्मी एवं ठेका कर्मियों के साथ-साथ बोकारो स्टील के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद उठाया। कार्यक्रम में रानीपोखर की गायन मंडली ने वृंदावन में कृष्ण खेलत होली, शिव मठ पर भोला खेलत होली, रंग बरसे भंगी चुनर वाली जैसे होली गीतों की प्रस्तुति दी, जिससे माहौल भक्तिमय और उत्साहपूर्ण हो गया। उपस्थित लोग



गीतों की धुन पर झूमते नजर आए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर महासचिव बी.के. चौधरी ने बोकारो स्टील के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन को श्री मुखियाराज की उपाधि देकर पनाड़ी एवं टोपी पहनाकर सम्मानित किया। इसके साथ ही अधिशासी निदेशक (एचआर) राजश्री बनर्जी को श्री हुरदंगी मैडम, बीजीएच के अधिशासी निदेशक डॉ. वी.वी.

करुणामय को श्री झोखे लाल, अधिशासी निदेशक (संकाय) आलोक कुमार दत्त को श्री जोगीरा लाल, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आनंद कुमार को श्री अलबेला लाल, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आनंदो मंडल को जोगीरा सारे रे, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) अंजनी कुमार शरण को श्री 108 तथा मुख्य महाप्रबंधक (सीसीएस) डी. सर्वसेना को विशेष उपाधियों से सम्मानित किया गया।

तेतुलिया जमीन घोटाला मामला: सुप्रीम कोर्ट सख्त, बिमल अग्रवाल को दो हफ्ते में सरेंडर का निर्देश

नवप्रदेश, बोकारो: तेतुलिया जमीन घोटेला में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी बिमल अग्रवाल को बड़ा झटका दिया है। अदालत ने उनकी याचिका खारिज करते हुए दो सप्ताह के भीतर जांच एजेंसी के सामने सरेंडर करने का आदेश दिया है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश की पीठ द्वारा पारित किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देश में कहा है कि सरेंडर के बाद यदि आरोपी नियमित जमानत याचिका दायर करता है, तो सक्षम न्यायालय उस पर स्वतंत्र रूप से विचार करेगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि निचली अदालत इस मामले में पूर्व की किसी टिप्पणी से प्रभावित नहीं होगी। जांच में खुलासा हुआ है कि जमीन खरीद-बिक्री में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं हुईं। राजवीर कंस्ट्रक्शन द्वारा जमीन सरेंडर के लिए उमायुष मल्टीकॉम को करीब चार

करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। इसके बाद उमायुष मल्टीकॉम ने इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन से लगभग 10.30 करोड़ रुपये में 74.38 एकड़ जमीन खरीदी।

जांच एजेंसियों के अनुसार, कंपनी की शेयर पूंजी मात्र एक लाख रुपये थी, जबकि गठन के दो महीने के भीतर ही करोड़ों रुपये का जमीन सौदा किया गया। वहीं, सरकारी सर्किल रेट के अनुसार संबंधित जमीन की अनुमानित कीमत करीब 23.13 करोड़ रुपये आंकी गई है,

जिससे पूरे मामले में गड़बड़ी की आशंका और गहरा गई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब बिमल अग्रवाल के पास सीआईडी के समक्ष सरेंडर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। मामले की जांच तेज कर दी गई है और अधिकारियों का मानना है कि आगे और भी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

सिटी पार्क में संपूर्ण विप्र समाज ने सोल्लास मनाया होली मिलन समारोह

होली कनक भवन में खेलथि सिया रघुवीर....., बिरज में होली खेलत नंदलाल...

नवप्रदेश संवाददाता

बोकारो : रविवार को बोकारो के सिटी पार्क में सम्पूर्ण विप्र समाज का स्थापना दिवस सह विप्र होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। संपूर्ण विप्र समाज, बोकारो जिला इकाई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रो यदुनाथ पांडेय, रवींद्र पांडेय सहित काफी संख्या में गणमान्य विप्रगण उपस्थित थे। समारोह का प्रारंभ संपूर्ण विप्र समाज के बोकारो जिलाध्यक्ष विष्णु शंकर मिश्र द्वारा भगवान परशुराम की पूजा के बाद आगत अतिथियों व संस्था के पदाधिकारियों द्वारा भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांचन के बाद दीप प्रज्वलन से हुआ।

संपूर्ण विप्र समाज बोकारो जिला अध्यक्ष विष्णु शंकर मिश्र ने स्वागत भाषण में संस्था की गतिविधियों व भावी कार्ययोजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठन समाज के



लिए है। संस्था द्वारा समाज उत्थान हेतु कार्य किए जा रहे हैं। सनातन धर्म की रक्षा हेतु ब्राह्मणत्व को बचाए रखना जरूरी है। उन्होंने संगठन को आगे बढ़ाने के लिए एकजुटता व समाज से यथासंभव सहयोग करने की अपील की। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय ने समाज की एकजुटता पर बल देते हुए सभी से

समाज के लोगों के लिए सहयोग की भावना रखने की बात कही। ब्राह्मणत्व के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि ब्राह्मण के संपर्क में आए तो मर्यादा पुरुषोत्तम बन गये। हम अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले हैं। पूर्व सांसद रवीन्द्र पांडेय ने समाज को जागरूक होने की अपील की। संरक्षक पी एन पांडेय ने कहा कि

समाज की एकजुटता देखकर उन्हें काफी प्रसन्नता हुई है। उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए समाज के उत्थान की बात की। इस अवसर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में संपूर्ण विप्र समाज, बोकारो जिला के सचिव व प्रसिद्ध गायक अरुण पाठक ने होली गीत बिरज में होली खेलत नंदलाल... की सुमधुर प्रस्तुति से

सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायक संतलाल मिश्रा, ब्रज भूपण त्रिपाठी, अरविंद त्रिपाठी, अंगद ओझा,कृष्णा तिवारी, वीरेन्द्र पांडेय, पं चंदन शास्त्री व अन्य कलाकारों ने भजन व होली गीतों की सुंदर प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया। कार्यक्रम में नाल पर वीरेन्द्र पांडेय, की बोर्ड पर पंकज मिश्रा, आक्टोपेड पर देवेश

सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायक संतलाल मिश्रा, ब्रज भूपण त्रिपाठी, अरविंद त्रिपाठी, अंगद ओझा,कृष्णा तिवारी, वीरेन्द्र पांडेय, धर्नंजय कुमार, सुनील झा, वीरेन्द्र चौबे, मनोज पांडेय, विनय मिश्रा, गंगेश पाठक, रमण कुमार ठाकुर, मनीष पांडेय, अखिलेश ओझा, अर्चना चौबे, संगीता मिश्रा, चंद्रलता द्विवेदी, पूनम झा, प्रभात जी इत्यादि अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

स्थानीय उत्पादों को अपनाने की अपील, कारीगरों का बढ़ाया उत्साह

नवप्रदेश, बोकारो: स्टील सिटी के मजदूर मैदान, सेक्टर-4 में आयोजित गांधी शिल्प बाजार का निरीक्षण उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा ने किया। इस दौरान मेले का वातावरण उत्साह, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी भावना से परिपूर्ण नजर आया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने विभिन्न हस्तशिल्प, हैंडलूम एवं स्थानीय उत्पादों के स्टॉलों का अवलोकन किया तथा कारीगरों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने स्थानीय शिल्पकारों द्वारा तैयार उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि ह्यालोकल फॉर वोकलह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान और सम्मान देने का प्रभावी माध्यम है। अपने संबोधन में उपायुक्त ने नागरिकों से अधिक से अधिक



स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पादों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के कारीगरों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन

स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी शिल्प बाजार केवल खरीदारी का

केंद्र नहीं, बल्कि स्थानीय कला, संस्कृति और उद्यमशीलता का उत्सव है। आयोजन समिति ने भी क्षेत्रवासियों से परिवार सहित मेले में पहुंचकर स्थानीय उत्पादों का समर्थन करने और स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपील की।

चैनपुर प्रखंड के बाल विकास कार्यालय में धूमधाम से मना होली मिलन समारोह



नवप्रदेश, चैनपुर: चैनपुर प्रखंड परिसर स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सीडीपीओ यादव बैठा एवं महिला पर्यवेक्षिका अंजली वर्मा की उपस्थिति में प्रखंड क्षेत्र की आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।समारोह को संबोधित करते हुए सीडीपीओ यादव बैठा ने कहा कि होली

आपसी भाईचारे और सौहार्द का त्योहार है। उन्होंने सभी कर्मियों को कर्तव्य निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया और सुरक्षित व शांतिपूर्ण होली मनाने की अपील की। वहीं, पर्यवेक्षिका अंजली वर्मा ने सेविका-सहायिकाओं के साथ उत्साह साझा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से कार्यक्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा और टीम भावना का संचार होता है।कार्यालय परिसर अबीर-गुलाल के रंगों से सराबोर रहा। अधिकारियों और कर्मियों ने एक-दूसरे को गले मिलकर त्योहार की बधाई दी।

बेंगलुरु में काम करने गया बिशनपुर का युवक लापता

परिजनों ने कांग्रेस नेता मुख्तार आलम से लगाई मदद की गुहार

नवप्रदेश संवाददाता

गुमला: रोजगार की तलाश में घर से दूर गए एक और युवक के लापता होने की खबर सामने आई है। बिशनपुर थाना क्षेत्र के नरमा गांव निवासी उमेश सिंह 34 वर्ष, पिता महावीर सिंह, पिछले कई दिनों से लापता हैं। परिजनों का री-रोकर बुरा हाल है और उन्होंने अब इस मामले में न्याय और मदद के लिए कांग्रेस नेता मुख्तार आलम का दरवाजा खटखटाया है।परिजनों के अनुसार, उमेश सिंह काम करने के लिए कर्नाटक के बेंगलुरु (हस्तली, केंगेरी) गए थे। बीते 23 फरवरी 2026 को उन्होंने घर वापस आने के लिए बेंगलुरु के रठड़ळ रेलवे स्टेशन से प्रस्थान किया था, लेकिन वे घर



नहीं पहुंचे। परिजनों की उमेश से आखिरी बार बात 24 फरवरी 2026 को हुई थी। उसके बाद से उनका मोबाइल लगातार बंद आ रहा है। आवेदन में बताया गया है कि उमेश की मानसिक स्थिति पूरी तरह ठीक नहीं है, जिससे किसी अनहोनी की आशंका से परिवार बेहद डरा हुआ है।पीड़ित परिवार

रविवार को कांग्रेस नेता मुख्तार आलम के कार्यालय पहुंचा और अपनी व्यथा सुनाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्तार आलम ने तत्काल श्रम अधीक्षक से फोन पर वार्ता की और युवक की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने का आग्रह किया।थाने में दिया गया

लिखित आवेदन में लापता युवक की मां, रामावती देवी ने बिशनपुर थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है। आवेदन में युवक का हुलिया रंग: गोरा,कद: 5.5 फिट, पहचान: लापता होने के समय उनके पास मोबाइल नंबर 8867642877 था।पीड़ित मां रामावती देवी हमारा बेटा काम करने बाहर गया था और अब उसका कोई अता-पता नहीं है। पुलिस और प्रशासन से हमारी विनती है कि उसे जल्द से जल्द ढूंढने में मदद करें।कांग्रेस नेता मुख्तार आलम ने आश्वासन दिया है कि वे इस मामले में बिशनपुर पुलिस और अधिकारियों से लगातार संपर्क में रहेंगे ताकि जांच में तेजी लाई जा सके।

संक्षिप्त खबरें

कुरुमगड़ थाना में शांति और भाईचारे के साथ मनाएं होली



नवप्रदेश, चैनपुर : आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु चैनपुर अंचल के कुरुमगड़ थाना परिसर में शनिवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता संयुक्त रूप से जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा और थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने की। बैठक में आगामी होली के त्योहार को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और आपसी भाईचारे पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि हुड़दंग करने वालों और शांति भंग करने की कोशिश करने वालों पर पनी नजर रखी जाएगी। थाना

प्रभारी दिनेश कुमार ने उपस्थित सदस्यों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने के लिए प्रेरित करें। जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा कि पर्व खुशियों का प्रतीक है, इसे सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने स्थानीय लोगों से पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा, थाना प्रभारी दिनेश कुमार, थाना के सशस्त्र जवान तथा शांति समिति के प्रबुद्ध सदस्य और स्थानीय ग्रामीण मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में पर्व को शांतिपूर्वक मनाने का संकल्प लिया।

होली पर्व को लेकर घाघरा प्रशासन अलट, हुड़दंगियों पर रहेगी पुलिस की पहली नजर



नवप्रदेश, घाघरा: होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के उद्देश्य से घाघरा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी ने की, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि शामिल हुए। **भाईचारे का पर्व होली, मर्यादित ढंग से मनाएं : थाना प्रभारी** बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी ने होली को भाईचारे और रंगों का पर्व बताते हुए इसे मर्यादित ढंग से मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें, शराब पीकर हंगामा न करें और जो रंग नहीं लगाना चाहते हैं उन्हें जबरदस्ती ना करें, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। थाना प्रभारी ने स्पष्ट निर्देश जारी करते

हुए कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। **सख्त प्रतिबंधों की चेतावनी, इन नियमों का पालन अनिवार्य** थाना प्रभारी ने होली के दौरान सख्ती बरतने के निर्देश दिए। मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं— रंग-गुलाल का प्रयोग निर्धारित समय-सीमा में ही किया जाए।नशे की हावत में वाहन न चलाएं।किसी भी प्रकार के विवाद या अग्रिय घटना की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें।उन्होंने सभी से पूर्ण सहयोग की अपील करते हुए कहा कि होली का पर्व आपसी एकता का प्रतीक बने, न कि विवाद का कारण। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के प्रयासों की सराहना की तथा शांतिपूर्ण उत्सव मनाने का भरोसा दिलाया।

जिंदगी की न टूटे लड़ी, रक्तदान कर लो घड़ी दो घड़ी : अशोक



नवप्रदेश, गुमला: गुमला जिला के जाने माने समाजसेवी शानदार बेजोड़ एनाउंसर ,खेल प्रेमी रक्तदान करने वाले शतकवीर अशोक त्रिपाठी ने फिर एक बार मानवता का परिचय देते हुए सदर अस्पताल गुमला में एक महिला के लिए रक्तदान किया 123 रक्तदान महादाकरने वाले अशोक त्रिपाठी का कहना है कि जानकारी होने पर यदि मित्र के काम न आ सका तो हमारी बेकार जिंदगानी है। इतना ही नहीं इन्होंने पिछले कई वर्षों से बिना कोई संकोच के जाति धर्म से ऊपर उठकर सैकड़ों लोगों को अपना रक्त का दान किया है और कई जिंदगियों को बचाये का कार्य क्या है इन्होने कहा है कि

रक्तदान करने से शरीर में किसी तरह का कोई कमजोरी और ना कोई परेशानी होती है सिर्फ आदमी को सोच और वह भी बिना तथ्य के होने से लोग रक्तदान करने में आनाकानी करते हैं में सभी लोगों से अपील करता हूँ वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य रक्तदान जरूर करे। रक्तदान करने वाले समाजसेवी वीर अशोक त्रिपाठी रक्तदान के लिए सेवा भाव से अपने कार्य में लग चुके हैं उनके चाहने वाले मित्रों ने कहा है कि हम सब इनके हीसला और जम्मे को आदर करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ आगे भी इसी तरह जरूरतमंद को रक्त देने के लिए प्रेरित करते रहे।

रंगो का त्यौहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाई जाए, अंचल अधिकारी



नवप्रदेश, गुमला: गुमला थाना परिसर में होली को लेकर शांति समिति की बैठक,होली पर्व के महेनजर गुमला थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीओ, हरिश कुमार ने की उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जिस तरह से पूर्व में शहर गुमला में आपसी प्रेम भाव के साथ त्योहार मनाने का चलन रहा है इस प्रकार हम सब इस त्योहार को मनाएंगे। बैठक में सर्वसम्मति शांति समिति के सदस्यों ने निर्णय लिया गया कि होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा।थाना प्रभारी महेंद्र कुमार करमाली ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। इंटरनेट मीडिया पर भड़काऊ कंटेेंट डालने या अशांति

फैलाने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की।बैठक में जिप अध्यक्ष किरण माला बाड़ा, नप नर्नविर्वाजित अध्यक्ष शकुंतला उराव, जिप उपाध्यक्ष संयुक्ता देवी, प्रशासक मनीष कुमार, दीपनारायण उराव, रमेश सैनी, दामोदर कसेरा निर्मल गोवाल, शेल मिश्रा राजेश लोहानी, सलाउद्दीन अंसारी खालिद शाह बलू वर्मा, फिरोज आलम मोहम्मद शाहनवाज सरकारकुमरेशी अमिकेत कुमार समीम खान मोहम्मद इमिनयाज कोलेशंदर जमुआर कौशर हवारी मोहम्मद मेराज सहित अंजुमन इस्लामिया चैंबर ऑफ कॉमर्स, कई वाई के वाई पापंथी तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के जुड़े सदस्यों अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

चास कॉलेज में पीजी की पढ़ाई शुरू कराने की मांग, विधायक को दिया धन्यवाद

चंदनकियारी/चास: चास कॉलेज में स्नातकोत्तर की पढ़ाई शुरू कराने की मांग को झारखंड विधानसभा में उठाने पर छत्र नेता युगदेव महथा ने चंदनकियारी के विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस संबंध में छत्र प्रतिनिधिमंडल एवं स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों ने विधायक से उनके आवास पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में मंजेश महथा, सदीप रजवार, शंभू पांडेय, प्रकाश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को धन्यवाद देते हुए कहा कि चास कॉलेज में पीजी की पढ़ाई शुरू होने से चास-चंदनकियारी एवं आवासन के ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर मिलेगा और वे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकेंगे। छत्र नेताओं ने आशा व्यक्त की कि सरकार जल्द ही इस दिशा में सकारात्मक पहल करेगी।

कुशवाहा समाज का भव्य होली मिलन समारोह, एकता व विकास पर हुआ

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के दैहर में कुशवाहा समाज द्वारा होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन चय परगना अध्यक्ष माहेश्वरी मेहता, प्रखंड अध्यक्ष सुखदेव दांगी, जीप अध्यक्ष उमेश मेहता, जीप सदस्य बसंत नारायण मेहता तथा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित देवचरण दांगी सहित के गणमान्य व्यक्तियों ने संयुक्त रूप से किया। इस समारोह



में प्रखंड के विभिन्न गांवों से आए सैकड़ों महिला-पुरुषों ने

उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम ने सामाजिक समरसता और

सामुदायिक एकजुटता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। अतिथियों

का स्वागत नागेंद्र कुमार एवं देवकुमार दांगी सहित अन्य सम्मानित व्यक्तियों द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। समारोह में पारंपरिक सम्मान और आत्मीयता का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने समाज के शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास पर जोर दिया। साथ ही आपसी सहयोग, संगठन की मजबूती और नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की

आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया गया। समारोह के अंत में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल होली के उल्लास का प्रतीक बना, बल्कि समाज की एकजुटता और प्रगति के संकल्प को भी मजबूत करने वाला साबित हुआ।

नाबालिग को भगाकर शादी, दहेज के लिए प्रताड़ना के बाद फांसी से मौत का आरोप

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड की दैहर पंचायत अंतर्गत हथिन्दर गांव निवासी सीता देवी ने थाना में आवेदन देकर अपनी नाबालिग पुत्री चंदा कुमारी को बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने और जबरन शादी करने का गंभीर आरोप लगाया है। दिए गए आवेदन में उन्होंने बताया कि ब्रिगहा निवासी अजय कुमार राणा उनकी बेटी को अपने साथ ले गया और 5 अप्रैल 2025 को उससे शादी कर अपने घर ले गया। परिजनों को इसकी जानकारी बाद में मिली। सीता देवी का आरोप है कि शादी के बाद आरोपी पक्ष की ओर से एक लाख रुपये नगद एवं एक बाइक की मांग की जाने लगी। मांग पूरी नहीं होने पर उनकी पुत्री को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने आशंका जताई है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उनकी बेटी को फांसी लगाकर मार दिया गया। मामले को दहेज प्रथा से जुड़ा गंभीर अपराध बताते हुए उन्होंने प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। इधर, पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। नाबालिग से संबंधित मामला होने के कारण पुलिस द्वारा संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पीड़िता के घर पर बमबाजी, सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंप सुरक्षा की मांग



नवप्रदेश/पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत सरजमदा स्थित कुम्हार टोला की निवासी प्रिया देवी ने अपने पति की हत्या मामले में दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद अब गंभीर सुरक्षा खतरे की आशंका जताई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें और उनके परिवार को धमकाने के उद्देश्य से उनके घर के बाहर बम फेंका गया। प्रिया देवी के पति स्वर्गीय संजीव सिंह की वर्ष 2016 में गोविंदपुर थाना क्षेत्र में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में गोविंदपुर थाना (कांड संख्या 66/2016) दर्ज हुआ था और सत्र विचारण संख्या 402/2017 के रूप में मामला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पंचम, जमशेदपुर की अदालत में चला। न्यायालय ने 21 जनवरी 2026 को दो आरोपितों को दोषी ठहराते हुए 27 जनवरी 2026 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। पीड़िता का कहना है कि फैसले के बाद से ही दोषियों से जुड़े लोग उन्हें लगातार धमका रहे हैं। हाल ही में उनके घर के बाहर देर रात बाइक सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने बम जलाकर फेंक दिया। इस घटना से पूरे परिवार में दहशत का माहौल है। प्रिया देवी ने बताया कि उनके घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि बाइक पर सवार दो लोग आते हैं, बम में आग लगाते हैं और उसे घर के बाहर फेंककर फरार हो जाते हैं। उन्होंने यह सीसीटीवी फुटेज संबंधित पुलिस अधिकारी को सौंप दिया है और मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता का आरोप है कि यह हमला उन्हें और उनके परिवार को डराने-धमकाने के उद्देश्य से किया गया है ताकि वे कानूनी प्रक्रिया से पीछे हट जाएं। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को जान-माल का गंभीर खतरा है। प्रिया देवी ने जिला पुलिस प्रशासन से मांग की है कि उनके घर पर स्थायी पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए तथा न्यायालय आने-जाने के दौरान भी सुरक्षा दी जाए, ताकि वे बिना भय के कानूनी प्रक्रिया पूरी कर सकें और अपने परिवार के साथ सुरक्षित जीवन जी सकें।

शिकारीपाड़ा में सांसद नलिन सोरेन ने विधिवत फीता काटकर किया सृष्टि पण्यूल पेट्रोल पंप का उद्घाटन



नवप्रदेश/दुमका रामपुरहाट राष्ट्रीय उच्च पथ पर शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत गणेशपुर मौजा में ईंडियन ऑयल का सृष्टि पण्यूल अधिष्ठापित किया गया है रविचार को दुमका सांसद नलिन सोरेन ने विधिवत फीता काटकर पेट्रोल पंप का विधिवत उद्घाटन किया। अवसर पर पंप के मालिक मनीष सिंह, धनंजय सिंह, मनुजंजय सिंह, धर्मदे सिंह, जितेंद्र सिंह के साथ-साथ शिकारीपाड़ा के अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अमित लकड़ा, और पदाधिकारी सहित काफी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

चौपारण थाना में होली को लेकर शांति समिति की बैठक, अफवाह और हुड़दंग पर सख्ती की चेतावनी

नवप्रदेश/चौपारण। थाना परिसर में रविवार को होली पूर्व एवं रमजान के मद्देनजर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीओ संजय कुमार यादव ने की, जबकि संचालन शिक्षाविद शंभु नारायण सिंह ने किया। इस अवसर पर बरही सर्कल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सर्कल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार ने कहा कि होली का त्योहार हमें खुशी, शांति और प्रेम का संदेश देता है। उन्होंने प्रखंडवासियों से आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्वक होली



मनाने की अपील की। वहीं सीओ संजय कुमार यादव ने स्पष्ट किया कि पूर्व के दौरान शराबियों और असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। उन्होंने किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं

देने और इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को देने की अपील समाजसेवियों से की, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। थाना प्रभारी चौधरी ने निर्देश दिया कि रात दस बजे के बाद

डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। निर्धारित समय सीमा का उल्लंघन करने वाले डीजे संचालक और मालिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया ग्रुप के एडमिन से होली से लेकर रामनवमी तक ग्रुप को लॉक रखने की अपील की गई। चेतावनी दी गई कि किसी भी प्रकार का आपत्तिजनक या भ्रामक संदेश पोस्ट होने पर संबंधित एडमिन के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में उपस्थित हिंदू-मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों,

धर्मप्रेमियों एवं पंचायत जनप्रतिनिधियों ने शांति और सौहार्द के साथ होली मनाने में प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने होली के दिन पुलिस गश्ती बढ़ाने और अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग भी की। बैठक के अंत में प्रशासनिक पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की अग्रिम बधाई दी। बैठक में सांसद प्रतिनिधि रामस्वरूप पासवान,रिशु वर्णवाल विधायक प्रतिनिधि राघदेव यादव, मुखिया

संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, मुखिया मंजू देवी, सुनीता देवी, गुलाबी यादव, जानकी यादव, मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु भगत, हेमलाल अख्तर, अरविंद्र सिन्हा, आप नेता विजय यादव, पसस नरेश पांडेय, जनार्दन सिंह, अनिल उर्फ दुन्नु वर्णवाल, शिवनारायण पासवान, विकास यादव, डब्लू अंसारी, सफालउद्दीन सहित कई समाजसेवी उपस्थित थे। थाना के एसआई सरवन कुमार, दिव्यप्रकाश, रवि रंजन, सुनील सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी भी बैठक में मौजूद रहे।

पश्चिमी सिंहभूम में आईईडी विस्फोट, सहायक कमांडेंट घायल, हालत गंभीर



नवप्रदेश/पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड में पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान आज सुबह आईईडी विस्फोट से 209 कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय मलिक गंभीर रूप से घायल हो गए। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनी गई। घटना की पुष्टि पश्चिमी सिंहभूम के एसपी अमित रेणु ने की है। सुरक्षा बलों को सारंडा वन क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली थी। इसी सूचना

के आधार पर 209 कोबरा बटालियन और जिला पुलिस की संयुक्त टीम सर्च ऑपरेशन के लिए जंगल में निकली थी। टीम दुर्गम और घने इलाके से गुजर रही थी, तभी जमीन के नीचे प्लांट किया गया प्रेशर आईईडी अचानक फट गया। विस्फोट की चपेट में आने से सहायक कमांडेंट अजय मलिक गंभीर रूप से जखमी हो गए। बाकी जवानों ने मोर्चा संभालते हुए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और सच ऑपरेशन तेज कर दिया। किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए

अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भी बुलाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस मुख्यालय को तत्काल सूचना दी गई। घायल सहायक कमांडेंट अजय मलिक को तत्काल घटनास्थल से सुरक्षित निकालकर प्राथमिक उपचार दिया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची एयरलिफ्ट किया गया है। एसपी अमित रेणु ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है और पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

रंग बरसे सीजन 3 - महादेव पैलेस में होली का रंगारंग उत्सव, 3 मार्च दुमका में धूमधाम से आयोजित

नवप्रदेश/दुमका में 3 मार्च को होली के अवसर पर दुमका में एक भव्य और रंगारंग कार्यक्रम रंग बरसे सीजन 3 का आयोजन किया जा रहा है। दुमका मेरी जान और दुमका डायरी के संयुक्त प्रयास से आयोजित यह कार्यक्रम शहर के महादेव पैलेस में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगा।



एक विशेष इकबानार हट भी आकर्षण का केंद्र रहेगा, जहां लोग बैठकर होली का आनंद ले सकेंगे।

सुरक्षा के मद्देनजर, आयोजन स्थल पर 30 महिला और पुरुष बाउंडर तैनात किए गए हैं, जबकि 70

वॉलंटियर्स कार्यक्रम के सुचारू संचालन में सहयोग करेंगे। पूरे परिसर में सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था की गई है, जिससे आए हुए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

साथ ही, जगह-जगह सेल्फी प्वाइंट्स बनाए गए हैं, ताकि लोग खूबसूरत यादें सँजो सकें। आयोजन स्थल को भव्य और आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है, जिससे माहौल पूरी तरह होलीमय हो जाए। इस प्रेस वार्ता में आदित्य राज, आम्रत तिवारी, बलवंत सिंह ,विवेक धर, श्रद्धा कुमारी, नैन्सी कुमारी, उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी और सभी लोगों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

धनबाद नगर निगम के मेयर बने संजीव सिंह

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद नगर निगम चुनाव में जनता ने अपना नया मेयर चुन लिया है। धनबाद की जनता ने संजीव सिंह को रिकॉर्ड 1143362 मत देकर धनबाद का नया मेयर बना दिया है। 27 फरवरी को शुरू हुआ मतगणना दूसरे दिन 28 फरवरी तक चला। निगम के 55 वार्डों के साथ मेयर प्रत्याशी की गिनती पूरी हो गई है। मतगणना के पहले चक्र से लगातार संजीव सिंह 10वे राउंड तक बढ़त बना रहा। संजीव सिंह को कुल वोट 1143362 मिले, जबकि जेएमएस समर्थित प्रत्याशी चंदेश्वर अग्रवाल 82460 वोट के साथ दूसरे नंबर पर रहे। वहीं, कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी शमशेर आलम को 59079 वोट, जबकि भाजपा समर्थित प्रत्याशी संजीव कुमार को जनता ने 57895 वोट दिया है। वहीं, जीत की घोषणा के बाद संजीव सिंह के समर्थकों और सिंह मेशन में जश का माहौल है। धनबाद के नए मेयर संजीव सिंह ने पॉलिटेक्निक से अपने समर्थकों का अभिवादन स्वीकार करते हुए सिंह मेशन पहुंचे। जहां उनके परिवार के लोगों ने उन्हें तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में जश का माहौल रहा।

दस्तूर से टाटा बनने तक, एक उपनाम से खड़ा हुआ विश्वविख्यात उद्योग साम्राज्य



पूर्वी सिंहभूम। झारखंड की औद्योगिक नगरी जमशेदपुर में जमशेदजी नसरवानजी टाटा की जयंती को लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। हर वर्ष 3 मार्च को मनाए जाने वाले संस्थापक दिवस के अवसर पर पूरी लौहनगरी दुल्हन की तरह सजाई जाती है। शहर की पहचान मानी जाने वाली टाटा स्टील इस दिन को विशेष रूप से भव्य रूप में मनाती है। 3 मार्च के अवसर पर साकंची स्थित जुबली पार्क को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया जाता है। पूरे शहर में रोशनी की ऐसी छटा बिखरती है कि जमशेदपुर मानो प्रकाश से नहा उठता है। इस आयोजन की तैयारी लगभग 10 से 15 दिन पहले से शुरू कर दी जाती है, जिसमें शहर के पार्कों और प्रमुख स्थलों को विशेष रूप से सजाया-संवारा जाता है। भारतीय उद्योग जगत में जब भरौसे, गुणवत्ता और सामाजिक उत्तरदायित्व की चर्चा होती है, तब टाटा समूह का नाम सबसे पहले लिया जाता है। लगभग 118 वर्षों से अधिक समय से यह समूह इस्पात, मोटर वाहन, सूचना प्रौद्योगिकी, चाय, नमक और आतिथ्य सेवा सहित अनेक क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। आज टाटा समूह 150 से अधिक देशों में कारोबार कर रहा है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस औद्योगिक विरासत की नींव वर्ष 1907 में रखी गई, जब दूरदर्शी उद्योगपति जमशेदजी टाटा ने भारत में आधुनिक इस्पात उद्योग स्थापित करने का साहसिक निर्णय लिया। उस समय देश में भारी उद्योगों की कल्पना भी कठिन मानी जाती थी, लेकिन सीमित संसाधनों और लगभग 21 हजार रुपये की प्रारंभिक पूंजी से शुरू हुई यह यात्रा आगे चलकर वैश्विक पहचान बन गई। उनका उद्देश्य केवल उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि देश को आत्मनिर्भर बनाना और रोजगार के अवसर सृजित करना था। जमशेदजी टाटा का जन्म 3 मार्च 1839 को गुजरात के नवसारी में एक पारसी परिवार में हुआ था। उनके पिता नसरवानजी टाटा पारसी पुजारी वर्ग से जुड़े ह्यदस्तुरह्न परिवार के सदस्य थे। पारसी समुदाय के पूर्वज ईरान से भारत आकर गुजरात के संजान और बाद में नवसारी में बसे। प्रारंभ में परिवार का उपनाम ह्यदस्तुरह्न था, जो समय के साथ ह्यटाटाह्न के रूप में प्रचलित हो गया और आगे चलकर विश्वविख्यात पहचान बन गया। जमशेदजी टाटा ने केवल उद्योग ही नहीं बसाया, बल्कि एक आदर्श औद्योगिक नगर का सपना भी देखा। इसी दूरदृष्टि का परिणाम है जमशेदपुर, जिसे आज देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में गिना जाता है। टाटा स्टील ने न केवल इस्पात उत्पादन में भारत को मजबूती दी, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और शहरी विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। हर वर्ष 3 मार्च को संस्थापक दिवस पर हजारों लोग शहर की भव्य सजावट और रोशनी का आनंद लेने पहुंचते हैं। प्रकृति प्रेमी जमशेदजी टाटा ने अपने सपनों के शहर को हरियाली और सुव्यवस्थित विकास के साथ बसाने की योजना बनाई थी, जिसके कारण जमशेदपुर आज देश के सबसे स्वच्छ और व्यवस्थित औद्योगिक नगरों में शामिल है। आज टाटा नाम केवल एक औद्योगिक समूह नहीं, बल्कि विश्वास, गुणवत्ता और राष्ट्र निर्माण का प्रतीक बन चुका है। दस्तूर परिवार से शुरू होकर टाटा नाम तक पहुंची यह यात्रा संघर्ष, दूरदर्शिता और समर्पण की प्रेरणादायक गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहेगी।

वाई संख्या 51 से नव निर्वाचित पार्षद सबिता लिंडा के जीत के पश्चात निकाली गयी भव्य और आकर्षक रैली और आभार यात्रा,



नवप्रदेश/रंची। वार्ड संख्या 51 से लोकप्रिय वार्ड पार्षद के रूप में अपनी सशक्त पहचान रखने वाली इस बार सबिता लिंडा पुनः नगर निकाय चुनाव 2026 में एक बार फिर चुनाव जीत कर वार्ड पार्षद बनी, जीत हासिल के पश्चात सबिता लिंडा विजय जुलूस के साथ-साथ आभार यात्रा निकालने के साथ-साथ अपने समर्थक मित्रगण शुभचिंतक और मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि उनके व्यापक जन समर्थन और सहयोग के फल स्वरूप उन्हें इस बार भी विजय प्राप्त हुई है वार्ड वासियों ने जिस विश्वास के साथ उन्हें जीत दिलाई है वे उस पर हमेशा पूर्ण रूप से खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगी हर समस्या का निराकरण करना उनका परमदायित्व है जो भी समस्या हो वार्ड वासी सीधे उनसे मिलकर कह सकते हैं और उसका समाधान निश्चित तौर पर होगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर कई गणमान्य उपस्थित थे लोगों ने बधाई देने के साथ-साथ सम्मानित भी किया और उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके बेहतर कार्य और लगन तथा लोगों के साथ सीधा जुड़ाव का ही परिणाम है कि वार्ड वासियों ने उन्हें विजय बनाकर नगर परिषद के लिए वार्ड पार्षद के रूप में चुना है यह विजय जुलूस विभिन्न सड़क मार्ग से होते हुए गुजरा और लोगों का अभिवादन नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद एस पुष्प लता ने किया और उनका आभार भी जताया वहीं इस ऐतिहासिक जीत और खुशी के अवसर पर लोगों ने जमकर खुशियां मनाई और मिठाई बांटी, इस जुलूस और आभारयात्रा में नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद एस पुष्प लता भी लोगों के साथ जमकर झूमि और लोगों का आभार भी जताया।

संपादकीय



खोमेनई की मौत का पड़ेगा वैश्विक प्रभाव

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खोमेनई की संभावित मौत की खबर केवल एक व्यक्ति के निधन भर की घटना नहीं होगी, बल्कि यह पश्चिम एशिया की राजनीति, इस्लामी दुनिया की वैचारिक दिशा और वैश्विक शक्ति संतुलन पर गहरा प्रभाव डालने वाली घटना साबित हो सकती है। चार दशक से अधिक समय तक ईरान की राजनीति और नीतियों के केंद्र में रहे खोमेनई ने देश की विदेश नीति, परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय रणनीति को निर्णायक रूप दिया। ऐसे में उनका जाना सत्ता संरचना में एक बड़ा बदलाव लेकर आ सकता है। सबसे पहला प्रभाव ईरान की आंतरिक राजनीति पर पड़ेगा। ईरान की व्यवस्था में सर्वोच्च नेता का पद अत्यंत शक्तिशाली है, जो सरकार, न्यायपालिका और सेना पर अंतिम अधिकार रखता है। खोमेनई के निधन के बाद उत्तराधिकार का सवाल उठेगा। ईरान की असेंबली ऑफ़ एक्सपर्ट्स नए सर्वोच्च नेता का चयन करेगी, लेकिन यह प्रक्रिया आसान नहीं होगी। सत्ता के विभिन्न गुट–रूढ़िवादी, सुधारवादी और रिवोल्यूशनरी गार्ड–अपनी-अपनी भूमिका मजबूत करने की कोशिश करेंगे। इससे राजनीतिक अस्थिरता या शक्ति संघर्ष की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू ईरान की विदेश नीति से जुड़ा है। खोमेनई के नेतृत्व में ईरान ने इजरायल और अमेरिका के प्रति कठोर रुख अपनाया। यदि उनके बाद कोई अपेक्षाकृत नरम या व्यावहारिक नेता आता है, तो पश्चिम के साथ संबंधों में कुछ नरमी देखने को मिल सकती है। वहीं, यदि कट्टरपंथी घड़ा हावी होता है, तो क्षेत्रीय तनाव और बढ़ सकता है। विशेषकर परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ बातचीत की दिशा प्रभावित होगी।पश्चिम एशिया में ईरान की भूमिका–सीरिया, लेबनान, इराक और यमन में उसके प्रभाव–पर भी असर पड़ेगा। खोमेनई के रणनीतिक दृष्टिकोण ने ईरान को क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित किया। उनके बाद नेतृत्व का प्रथमिकताएं बदल सकती हैं, जिससे क्षेत्रीय समीकरणों में नया संतुलन बन सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी यह बदलाव महत्वपूर्ण होगा। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और आंतरिक आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे ईरान को स्थिर नेतृत्व की आवश्यकता है। यदि सत्ता परिवर्तन सुचारु रूप से होता है, तो निवेश और आर्थिक सुधार की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। लेकिन यदि राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है, तो इसका सीधा असर आम जनता की जीवनशैली और महंगाई पर पड़ेगा। अंततः, खोमेनई की मौत का प्रभाव केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेगा। यह वैश्विक कूटनीति, तेल बाजार और सुस्शा पटिस्थय को भी प्रभावित करेगा। ऐसे समय में विश्व समुदाय की भूमिका संतुलन और संवाद को बढ़ावा देने की होनी चाहिए, ताकि संभावित अस्थिरता को टाला जा सके। इतिहास गवाह है कि बड़े नेताओं के जाने के बाद अक्सर नए अध्याय की शुरुआत होती है–ईरान के लिए भी यह एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

सुधा

कहानी : ईमानदारी का फल

एक छोटे से गांव में रामू नाम का एक गरीब लेकिन मेहनती लड़का रहता था। उसके पिता किसान थे और मां घर संभालती थीं। घर की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी, फिर भी रामू के माता-पिता ने उसे हमेशा सच्चाई और ईमानदारी का पाठ पढ़ाया था। वे कहते थे, बेटा, धन दौलत कभी भी आ-जा सकती है, लेकिन चरित्र एक बार चला गया तो वापस नहीं आता।

एक दिन रामू स्कूल से घर लौट रहा था। रास्ते में उसे एक चमड़े का बटुआ मिला। उसने उसे उठाकर देखा तो उसमें बहुत सारे पैसे और कुछ जरूरी कागजात थे। पैसे देखकर उसके मन में एक पल के लिए लालच आया। उसने सोचा, अगर ये पैसे मैं रख लूं तो घर की बहुत सारी परेशानियां दूर हो सकती हैं। मां के लिए दवा आ जाएगी, और मेरे लिए नई किताबें भी।

लेकिन तभी उसने अपने पिता की बात याद आई। उसका मन द्वंद्व में था। थोड़ी देर सोचने के बाद उसने तय किया कि वह बटुए के असली मालिक को ढूँढेगा। उसने बटुए में रखे पहचान पत्र को ध्यान से देखा। उसमें पास के कस्बे के एक व्यापारी का नाम और पता लिखा था।

रामू तुरंत उस पते पर पहुंच गया। वहां एक व्यक्ति बहुत चिंतित होकर इधर-उधर कुछ ढूँढ़ रहा था। रामू ने आगे बढ़कर पूछा, क्या आपका कोई बटुआ खो गया है? व्यापारी ने घबराकर कहा, हाँ बेटा, उसमें मेरे व्यापार के पैसे और जरूरी कागजात थे। अगर वह नहीं मिला तो मुझे बहुत नुकसान हो जाएगा।

रामू ने मुस्कुराते हुए बटुआ उसे सौंप दिया। व्यापारी की आंखों में खुशी के आंसू आ गए। उसने पैसे गिने–सब कुछ सुरक्षित था। उसने रामू को इनাম के तौर पर कुछ पैसे देने चाहे, लेकिन रामू ने विम्रता से मना कर दिया और कहा, मैंने सिर्फ अपना कर्तव्य निभाया है। व्यापारी रामू की ईमानदारी से बहुत प्रभावित हुआ। उसने उसके माता-पिता से मिलकर उनकी आर्थिक स्थिति के बारे में पूछा। कुछ दिनों बाद उसने रामू की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने का फैसला किया। रामू ने मेहनत से पढ़ाई की और आगे चलकर एक सफल अधिकारी बना।

गांव के लोग अक्सर कहते थे कि रामू की सफलता की असली वजह उसकी ईमानदारी थी। अगर उस दिन वह लालच में आ जाता, तो शायद थोड़े समय के लिए फायदा होता, लेकिन जीवन भर का सम्मान और अवसर खो देता।

सीख: ईमानदारी और सच्चाई का मार्ग भले ही कठिन लगे, लेकिन अंत में वही सच्ची सफलता और सम्मान दिलाता है।



उदय कुमार सिंह

होली के दिन बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी रंगों में सराबोर हो जाते हैं। गलियों, मोहल्लों, गांवों और शहरों में उत्साह का वातावरण दिखाई देता है। हाथों में पिचकारियां, चेहरे पर मुस्कान और दिलों में अपनापन-यही होली की असली पहचान है। इस दिन सामाजिक भेदभाव समाप्त हो जाते हैं और सभी लोग एक समान होकर उत्सव मनाते हैं। बुरा न मानो होली है केवल एक वाक्य नहीं बल्कि जीवन को सहजता और प्रसन्नता से जीने का संदेश है।

होली केवल रंगों का उत्सव नहीं बल्कि आत्मशुद्धि और प्रेम का पर्व है। जीवन में परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि हमारे हृदय में भक्ति और सत्य का प्रकाश है, तो कोई भी होलिका हमें जला नहीं सकती। इस पावन अवसर पर अपने भीतर की दुर्भावनाओं को होलिका में अर्पित करें और प्रेम, क्षमा तथा सद्भाव के रंगों से अपने जीवन को आलोकित करें।

अभिव्यक्ति

होली : रंग, संस्कृति व जीवन दर्शन का उत्सव

भारत विविधताओं, परंपराओं और उत्सवों का देश है। यहां मनाए जाने वाले प्रत्येक पर्व का अपना सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक महत्व है। इन्हीं पर्वों में होली का विशेष स्थान है। रंगों, उमंगों और प्रेम का संदेश देने वाला यह त्योहार केवल एक उत्सव नहीं बल्कि भारतीय जीवन दर्शन का जीवंत प्रतीक है। होली प्रकृति, संस्कृति और मानवीय भावनाओं का अद्भुत संगम है, जो समाज में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। भारतीय सनातन संस्कृति में प्रत्येक पर्व उत्सव के साथ-साथ आध्यात्मिक संदेश और जीवन दर्शन का प्रतीक होता है। उन्हीं पावन पर्वों में से एक है होली, जो रंगों, उल्लास और भक्ति का अद्भुत संगम माना गया है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व केवल बाहरी रंगों का उत्सव नहीं बल्कि अंतर्मन को प्रेम, करुणा और सद्भाव से रंगने का अवसर है।

रंगों का त्योहार

होली का नाम लेते ही मन में रंगों की फुहार, हंसी-ठिठोली और उल्लास का वातावरण सजीव हो उठता है। होली जीवन के उत्साह और आनंद का प्रतीक है। यह पर्व मनुष्य के भीतर छिपी प्रसन्नता को बाहर लाने का अवसर प्रदान करता है। यह केवल रंगों का त्योहार नहीं बल्कि भावनाओं का उत्सव है। फग गीतों की मधुरता, ढोल-मंजीरों की थाप, मित्रों और परिजनों की हंसी तथा अबीर-गुलाल की रंगत इस पर्व को विशेष बनाती है। प्रकृति भी मानो इस उत्सव में सहभागी बन जाती है। आम के पेड़ों पर आई बौर, भंवरो की गुंज, खिले हुए फूल और कोयल की मधुर कूक वातावरण को आनंदमय बना देती है।

इस बार होली कब है?

इस साल 3 मार्च को चंद्रग्रहण लगने जा रहा है। इसलिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि रंग कब खेला जाएगा? ज्योतिष के अनुसार, चंद्रग्रहण लगने के नौ घंटे पहले से सूतक काल प्रारंभ हो जाता है। सूतक काल में किसी भी तरह के धार्मिक उत्सव मनाने से परहेज किया जाता है। ऐसे में होली 4 मार्च 2026 को मनाया जाएगा। अगर शास्त्र सम्मत विधि की बात की जाए तो ग्रहण के समाप्त के उपरांत रंग खेल सकते हैं इसलिए धुलंडी (रंगों की होली) 4 मार्च को ही खेली जाएगी।

चंद्रग्रहण का समय

पंचांग के अनुसार, इस बार होली के साथ चंद्रग्रहण भी लगने जा रहा है, जो भारत में दृश्यमान रहेगा। इसलिए सम्पूर्ण भारत में ग्रहण का सूतक काल भी लागू रहेगा। भारतीय समयानुसार, चंद्रग्रहण 3 मार्च को दोपहर में 3 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा, जिसका समाप्तन शाम 6 बजकर 47 मिनट पर होगा। अगर कुल अवधि की बात की जाए तो इस बार का चंद्रग्रहण 3 घंटे 27 मिनट तक दिखेगा।

ऋतु से होली का संबंध

होली का सीधा संबंध ऋतुओं के राजा वसंत से है। वसंत ऋतु प्रकृति के नवजीवन का प्रतीक मानी जाती है। पतझड़ के बाद जब वृक्षों पर नई कोपलें फूटती हैं, खेतों में सरसों पीली चादर ओढ़ लेती है और वातावरण सुगंधित हो उठता है, तब होली का आगमन होता है।

वसंत प्रेम, नवचेतना और उल्लास का संदेश लेकर आता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी ऋतु में भगवान श्रीराम का माता सीता से प्रथम मिलन हुआ था। भगवान श्रीकृष्ण ने वृंदावन में गोपियों संग रास रचाकर प्रेम और आनंद का संदेश दिया। महाशिवरात्रि का पावन पर्व भी इसी काल में आता है, जो भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य कथाल सामाजिक नहीं, बल्कि धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

होली का संदेश

होली बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक पर्व है। होलिका दहन की परंपरा हमें यह सिखाती है कि अहंकार, अन्याय और अश्वर्ष

होली पर संस्कृति और मानवता



का अंत निश्चित है। पौराणिक कथा के अनुसार, भक्त प्रह्लाद की अटूट भक्ति के सामने अत्याचारी हिरण्यकश्यप और होलिका का अहंकार नष्ट हो गया। इसलिए होलिका दहन केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन की नकारात्मकताओं को त्यागने का प्रतीक है। यह पर्व नवसंवत्सर के स्वागत की भी तैयारी है। होली हमें मन की कलुषता, ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य को त्याग कर नए उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ जीवन की नई शुरुआत करने का संदेश देती है। होली मिलन कार्यक्रम सामाजिक समरसता और आपसी मेल-जोल को बढ़ावा देते हैं।

होली और रंगों की परंपरा

होली रंगों का त्योहार है और रंग जीवन के विविध भावों के प्रतीक हैं। लाल रंग प्रेम और ऊर्जा का, पीला रंग खुशहाली का, हरा रंग समृद्धि का तथा नीला रंग शांति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। होली के दिन बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी रंगों में सराबोर हो जाते हैं। गलियों, मोहल्लों, गांवों और शहरों में उत्साह का वातावरण दिखाई देता है। हाथों में पिचकारियां, चेहरे पर मुस्कान और दिलों में अपनापन-यही होली की असली पहचान है। इस दिन सामाजिक भेदभाव समाप्त हो जाते हैं और सभी लोग एक समान होकर उत्सव मनाते हैं। बुरा न मानो होली है केवल एक वाक्य नहीं बल्कि जीवन को सहजता और प्रसन्नता से जीने का संदेश है। यह पर्व हमें क्षमा, अपनापन और सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा देता है।

होली की सामाजिक और सांस्कृतिक महता

होली आपसी प्रेम, एकता और भाईचारे का प्रतीक है। यह पर्व रिश्तों में आई दूरियों को मिटाने का अवसर प्रदान करता है। लोग पुराने मिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे को गले लगाते हैं और शुभकामनाएं देते हैं। परंपरा के अनुसार, होली के दिन लोग मित्रों और रिश्तेदारों के घर जाकर अबीर-गुलाल लगाते हैं, बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते हैं और बच्चों को स्नेह प्रदान करते हैं। मिठाइयों और पकवानों का आदान-प्रदान सामाजिक संबंधों को और मजबूत बनाता है। आज के व्यस्त जीवन में जहां लोगों के बीच दूरी बढ़ती जा रही है, वहां होली जैसे पर्व समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। यह हमें याद दिलाती है कि जीवन का वास्तविक आनंद प्रेम, सहयोग और सद्भाव में ही निहित है।

होली की होली (वृंदावन, उत्तर प्रदेश): फूलों की होली वृंदावन के बकि बिहारी मंदिर में एकादशी के दिन मनाई जाती है। यहां रंगों का उत्सव होता है।

धुलंडी और डोलची होली (राजस्थान): यह मुख्य रूप से राजस्थान के जयपुर, उदयपुर और कोटा जैसे शहरों के आस पास के क्षेत्र में मनाई जाती है। इस दिन लोग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल और पानी वाले रंगों से सराबोर कर देते हैं। टोलियां बनाकर ढोल-नगाड़ों के साथ शहर या गांव की गलियों में निकलते हैं और होली है का शोर मचाते हैं। साथ ही मारवड़ क्षेत्र में पारंपरिक कपड़े पहनकर ढोल-नगाड़ों के साथ नृत्य करते हैं। बीकानेर की डोलची होली में डोलची भरकर एक दूसरे के ऊपर पानी डालते हैं।

होला मोहल्ला (पंजाब): यह पंजाब में खेली जाने वाली होली है जिसे सिख समुदाय वीरता के प्रतीक के रूप में मनाता है। इसकी शुरुआत गुरु गोविंद सिंह जी ने की थी ताकि सिखों में सैन्य कौशल और वीरता का विकास हो सके। आनंदपुर साहिब में लगने वाले इस मेले में निहंग सिख घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्ध कला का प्रदर्शन करते हैं।

रंगपंचमी (महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश): रंगपंचमी विशेष तौर पर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में मनाई जाती है। मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में इस दिन बड़े आयोजन होते हैं। इंदौर के राजवाड़ा में निकालने वाली

जीवन का उत्सव है होली



मेंदा, गुड़हल, टेसू, हल्दी, नीम, चुंकंदर और नील जैसे फूलों से प्राप्त प्राकृतिक रंगों से खेली जाती थी। हालांकि, आधुनिकीकरण के कारण इन प्राकृतिक रंगों की जगह कृत्रिम रासायनिक रंगों ने ले ली। हानिकारक विषाक्त पदार्थ, भारी धातुएं और औद्योगिक रंग जो त्वचा की एलर्जी, श्वसन संबंधी समस्याएं और दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं। जल निकायों और मिट्टी का प्रदूषण, जो त्योहार के बाद भी लंबे समय तक पर्यावरण को प्रभावित करता है। होली की खुशी स्वास्थ्य और स्थिरता की कीमत पर नहीं मिलनी चाहिए। सोभाग्य से प्राकृतिक रंगों का पुनरुद्धार हो रहा है। अब अधिक लोग पौधों से बने और पर्यावरण के अनुकूल होली के पाउडर को अपना रहे हैं और प्राकृतिक रंगों की सुरता को फिर से तलाश रहे हैं।



हवा में घुल जाती है, जिससे त्योहार में एक अलग ही रंग भर जाता है। पारंपरिक मिठाइयों और नमकीन बड़े प्यार और देखभाल से तैयार किए जाते हैं, जो होली को उदारता और आतिथ्य सत्कार की भावना का प्रतीक हैं। सबसे लोकप्रिय पकवानों में खोया और मेवों से भरी गुजिया और टंडाई शामिल हैं। टंडई मसालों से भरपूर और भांग से सुगंधित ताजा पेय है।

ये स्वादिष्ट पकवान दोस्तों और पड़ोसियों के साथ बांटे जाते हैं, जिससे समुदाय और भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। इन मिठाइयों और व्यंजनों का स्वाद तो लाजवाब है ही, इनका गहरा सांस्कृतिक और पारिवारिक समारोहों की यादें ताजा कर देते हैं, जहां हंसी और प्यार उम्र और

हम सभी को एकजुट करती है। होली अपने प्रतीकात्मक महत्व और रीति-रिवाजों से परे समावेशिता और क्षमा की भावना का प्रतीक है, जो लोगों को मतभेदों की भुलाकर उस साझा मानवता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है जो हम सभी को एक साथ बांधती है। यह प्रेम और करुणा की शक्ति की याद दिलाती है जो कठिनाइयों पर विजय पाने और मित्रता और समझ के बंधन को मजबूत करने में सहायक होती है।

होली के उपलक्ष्य में अनेक सांस्कृतिक एवं लोक चेतना से जुड़े कार्यक्रम होते हैं। महानगरीय संस्कृति में होली मिलन के आयोजनों ने होली को एक नया उल्लास एवं उमंग का रूप दिया है। इन आयोजनों में बहुत शालीन तरीके से गाने-बजाने के सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। चंदन का तिलक और टंडाई के साथ सामूहिक भोज इस त्योहार को गरिमायम छवि प्रदान करते हैं। देर रात तक

चंग की धुंकार, घूमर, डांडिया नृत्य और खुलकर बहते थे। होली के रंग जब आनंद और उल्लास फैलते हैं तो वे भारतीय संस्कृति की जीवंतता और विविधता के लिए सशक्त प्रतीक बन जाते हैं। रंगों की इस बहुरंगी छटा के माध्यम से होली उन परंपराओं, भाषाओं और रीति-रिवाजों की विविधता को दर्शाती है जो भारतीय समाज का ताना-बाना बुनती हैं। यह जीवन का उत्सव है, उस अटूट हृदयता और नवीनीकरण की भावना का प्रमाण है जो हम सभी को एकजुट करती है।

होली अपने प्रतीकात्मक महत्व और रीति-रिवाजों से परे समावेशिता और क्षमा की भावना का प्रतीक है, जो लोगों को मतभेदों की भुलाकर उस साझा मानवता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है जो हम सभी को एक साथ बांधती है। यह प्रेम और करुणा की शक्ति की याद दिलाती है जो कठिनाइयों पर विजय पाने और मित्रता और समझ के बंधन को मजबूत करने में सहायक होती है।

होली के उपलक्ष्य में अनेक सांस्कृतिक एवं लोक चेतना से जुड़े कार्यक्रम होते हैं। महानगरीय संस्कृति में होली मिलन के आयोजनों ने होली को एक नया उल्लास एवं उमंग का रूप दिया है। इन आयोजनों में बहुत शालीन तरीके से गाने-बजाने के सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। चंदन का तिलक और टंडाई के साथ सामूहिक भोज इस त्योहार को गरिमायम छवि प्रदान करते हैं। देर रात तक

होली पर संस्कृति और मानवता



हवा में घुल जाती है, जिससे त्योहार में एक अलग ही रंग भर जाता है। पारंपरिक मिठाइयों और नमकीन बड़े प्यार और देखभाल से तैयार किए जाते हैं, जो होली को उदारता और आतिथ्य सत्कार की भावना का प्रतीक हैं। सबसे लोकप्रिय पकवानों में खोया और मेवों से भरी गुजिया और टंडाई शामिल हैं। टंडाई मसालों से भरपूर और भांग से सुगंधित ताजा पेय है।

होली की होली (वृंदावन, उत्तर प्रदेश): फूलों की होली वृंदावन के बकि बिहारी मंदिर में एकादशी के दिन मनाई जाती है। यहां रंगों का उत्सव होता है।

धुलंडी और डोलची होली (राजस्थान): यह मुख्य रूप से राजस्थान के जयपुर, उदयपुर और कोटा जैसे शहरों के आस पास के क्षेत्र में मनाई जाती है। इस दिन लोग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल और पानी वाले रंगों से सराबोर कर देते हैं। टोलियां बनाकर ढोल-नगाड़ों के साथ शहर या गांव की गलियों में निकलते हैं और होली है का शोर मचाते हैं। साथ ही मारवड़ क्षेत्र में पारंपरिक कपड़े पहनकर ढोल-नगाड़ों के साथ नृत्य करते हैं। बीकानेर की डोलची होली में डोलची भरकर एक दूसरे के ऊपर पानी डालते हैं।

होला मोहल्ला (पंजाब): यह पंजाब में खेली जाने वाली होली है जिसे सिख समुदाय वीरता के प्रतीक के रूप में मनाता है। इसकी शुरुआत गुरु गोविंद सिंह जी ने की थी ताकि सिखों में सैन्य कौशल और वीरता का विकास हो सके। आनंदपुर साहिब में लगने वाले इस मेले में निहंग सिख घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्ध कला का प्रदर्शन करते हैं।

रंगपंचमी (महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश): रंगपंचमी विशेष तौर पर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में मनाई जाती है। मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में इस दिन बड़े आयोजन होते हैं। इंदौर के राजवाड़ा में निकालने वाली

हम सभी को एकजुट करती है। होली अपने प्रतीकात्मक महत्व और रीति-रिवाजों से परे समावेशिता और क्षमा की भावना का प्रतीक है, जो लोगों को मतभेदों की भुलाकर उस साझा मानवता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है जो हम सभी को एक साथ बांधती है। यह प्रेम और करुणा की शक्ति की याद दिलाती है जो कठिनाइयों पर विजय पाने और मित्रता और समझ के बंधन को मजबूत करने में सहायक होती है।

होली के उपलक्ष्य में अनेक सांस्कृतिक एवं लोक चेतना से जुड़े कार्यक्रम होते हैं। महानगरीय संस्कृति में होली मिलन के आयोजनों ने होली को एक नया उल्लास एवं उमंग का रूप दिया है। इन आयोजनों में बहुत शालीन तरीके से गाने-बजाने के सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। चंदन का तिलक और टंडाई के साथ सामूहिक भोज इस त्योहार को गरिमायम छवि प्रदान करते हैं। देर रात तक

चंग की धुंकार, घूमर, डांडिया नृत्य और खुलकर बहते थे। होली के रंग जब आनंद और उल्लास फैलते हैं तो वे भारतीय संस्कृति की जीवंतता और विविधता के लिए सशक्त प्रतीक बन जाते हैं। रंगों की इस बहुरंगी छटा के माध्यम से होली उन परंपराओं, भाषाओं और रीति-रिवाजों की विविधता को दर्शाती है जो भारतीय समाज का ताना-बाना बुनती हैं। यह जीवन का उत्सव है, उस अटूट हृदयता और नवीनीकरण की भावना का प्रमाण है जो हम सभी को एकजुट करती है।

होली के उपलक्ष्य में अनेक सांस्कृतिक एवं लोक चेतना से जुड़े कार्यक्रम होते हैं। महानगरीय संस्कृति में होली मिलन के आयोजनों ने होली को एक नया उल्लास एवं उमंग का रूप दिया है। इन आयोजनों में बहुत शालीन तरीके से गाने-बजाने के सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। चंदन का तिलक और टंडाई के साथ सामूहिक भोज इस त्योहार को गरिमायम छवि प्रदान करते हैं। देर रात तक



डॉ आशीष वरिश

होली के उपलक्ष्य में अनेक सांस्कृतिक एवं लोक चेतना से जुड़े कार्यक्रम होते हैं। महानगरीय संस्कृति में होली मिलन के आयोजनों ने होली को एक नया उल्लास एवं उमंग का रूप दिया है। इन आयोजनों में बहुत शालीन तरीके से गाने-बजाने के सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। चंदन का तिलक और टंडाई के साथ सामूहिक भोज इस त्योहार को गरिमायम छवि प्रदान करते हैं।

रंगों का त्योहार होली भारत और दुनिया भर में भारतीय समुदायों के बीच सबसे जीवंत और आनंदमय उत्सवों में से एक है। परंपरागत रूप से वसंत ऋतु के आगमन और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक होली, हंसी, एकता और रंगों का उत्सव है। हालांकि इसकी जड़ें उत्तर भारत में गहरी हैं लेकिन अब यह त्योहार पूरे भारत में दक्षिण भारत सहित और विश्व स्तर पर जहां भी भारतीय संस्कृति फल-फूल रही है, वहां मनाया जाता है। होली का महत्व पौराणिक कथाओं में गहराई से जुड़ा हुआ है और विभिन्न कथाएं इसकी समृद्ध परंपरा का हिस्सा हैं। ऐसी ही एक कथा प्रह्लाद और होलिका की कहानी है, जो अत्याचार और छल पर भक्ति और धर्म की विजय का प्रतीक है। एक अन्य कथा राधा-कृष्ण के दिव्य प्रेम का गुणगान करती है, जिसके रंगों से भरे खेल इस त्योहार का पर्याय बन गए हैं। होली की तरह इसकी परम्पराएं भी अत्यंत प्राचीन हैं और इसका स्वरूप और उद्देश्य समय के साथ बदलता रहा है। प्राचीन काल में यह विवाहित महिलाओं द्वारा परिवार की सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता था और पूर्ण चंद्र की पूजा करने की परम्परा थी। वैदिक काल में इस पर्व को नवात्रेष्टि यज्ञ कहा जाता था। उस समय खेत के अधपके अन्न को यज्ञ में दान कर प्रसाद लेने का विधान था। अन्न को होला कहते हैं, इसी से इसका नाम होलिकोत्सव

पड़ा। भारतीय ज्योतिष के अनुसार चैत्र शुदी प्रतिपदा के दिन से नववर्ष का भी आरम्भ माना जाता है। इस उत्सव के बाद ही चैत्र महीने का आरम्भ होता है। अतः यह पर्व नवसंवत् का आरम्भ तथा वसंतागमन का प्रतीक भी है। इसी दिन का प्रथम पुरुष मनु का जन्म हुआ था, इस कारण इसे मन्वादितिथि कहते हैं। होली नवजीवन, समृद्धि और पुरानी बातों को भुलाने का प्रतीक है- चाहे वह बीते मौसम को त्यागना हो, पुरानी शिकायतों को दूर करना हो या नकारात्मकता को। भारतीय पौराणिक कथाओं में निहित होलिका और प्रह्लाद की कहानी अहंकार और बुराई पर आस्था और अच्छाई की विजय का प्रतीक है। होली की पूर्व संध्या पर किया जाने वाला होलिका दहन का अनुष्ठान अतीत को जलाकर नई शुरुआत का स्वागत करता है। होली की उत्सव में रंगों का विशेष महत्व है क्योंकि यह उत्सव को गहराई और अर्थ प्रदान करता है। प्रत्येक रंग का अपना विशेष प्रतीक होता है जो जीवन, प्रकृति और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को दर्शाती है। रंगों को एक-दूसरे पर उछालना बाधाओं को तोड़ने, बुराई पर अच्छाई की विजय और लोगों के बीच एकता, समानता और आनंद को बढ़ावा देने का प्रतीक है। होली पहले मोदुंगा (ब्यूटिया मोनोसर्मा),



हवा में घुल जाती है, जिससे त्योहार में एक अलग ही रंग भर जाता है। पारंपरिक मिठाइयों और नमकीन बड़े प्यार और देखभाल से तैयार किए जाते हैं, जो होली को उदारता और आतिथ्य सत्कार की भावना का प्रतीक हैं। सबसे लोकप्रिय पकवानों में खोया और मेवों से भरी गुजिया और टंडाई शामिल हैं। टंडई मसालों से भरपूर और भांग से सुगंधित ताजा पेय है।

होली की होली (वृंदावन, उत्तर प्रदेश): फूलों की होली वृंदावन के बकि बिहारी मंदिर में एकादशी के दिन मनाई जाती है। यहां रंगों का उत्सव होता है।

धुलंडी और डोलची होली (राजस्थान): यह मुख्य रूप से राजस्थान के जयपुर, उदयपुर और कोटा जैसे शहरों के आस पास के क्षेत्र में मनाई जाती है। इस दिन लोग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल और पानी वाले रंगों से सराबोर कर देते हैं। टोलियां बनाकर ढोल-नगाड़ों के साथ शहर या गांव की गलियों में निकलते हैं और होली है का शोर मचाते हैं। साथ ही मारवड़ क्षेत्र में पारंपरिक कपड़े पहनकर ढोल-नगाड़ों के साथ नृत्य करते हैं। बीकानेर की डोलची होली में डोलची भरकर एक दूसरे के ऊपर पानी डालते हैं।

होला मोहल्ला (पंजाब): यह पंजाब में खेली जाने वाली होली है जिसे सिख समुदाय वीरता के प्रतीक के रूप में मनाता है। इसकी शुरुआत गुरु गोविंद सिंह जी ने की थी ताकि सिखों में सैन्य कौशल और वीरता का विकास हो सके। आनंदपुर साहिब में लगने वाले इस मेले में निहंग सिख घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्ध कला का प्रदर्शन करते हैं।

रंगपंचमी (महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश): रंगपंचमी विशेष तौर पर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में मनाई जाती है। मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में इस दिन बड़े आयोजन होते हैं। इंदौर के राजवाड़ा में निकालने वाली

हम सभी को एकजुट करती है। होली अपने प्रतीकात्मक महत्व और रीति-रिवाजों से परे समावेशिता और क्षमा की भावना का प्रतीक है, जो लोगों को मतभेदों की भुलाकर उस साझा मानवता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है जो हम सभी को एक साथ बांधती है। यह प्रेम और करुणा की शक्ति की याद दिलाती है जो कठिनाइयों पर विजय पाने और मित्रता और समझ के बंधन को मजबूत करने में सहायक होती है।

होली के उपलक्ष्य में अनेक सांस्कृतिक एवं लोक चेतना से जुड़े कार्यक्रम होते हैं। महानगरीय संस्कृति में होली मिलन के आयोजनों ने होली को एक नया उल्लास एवं उमंग का रूप दिया है। इन आयोजनों में बहुत शालीन तरीके से गाने-बजाने के सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। चंदन का तिलक और टंडाई के साथ सामूहिक भोज इस त्योहार को गरिमायम छवि प्रदान करते हैं। देर रात तक

होली मिलन समारोह में झूमे लोग, विधायक ने दी एकता का संदेश



नवप्रदेश/हरिहरगंज/ हरिहरगंज नगर पंचायत अंतर्गत मोतीराज महिला इंटर कॉलेज के समीप राधे-कृष्ण मैदान में रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन संजय कुमार सिंह यादव ने फीता काटकर किया. समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि होली एकता, भाईचारा और आपसी सौहार्द का प्रतीक पर्व है. यह भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो समाज को जोड़ने का कार्य करता है. उन्होंने सभी लोगों को होली की शुभकामनाएं एवं बधाई दी. कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र यादव ने की. इस अवसर पर दुगुला सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें भोजपुरी गायिका मुस्कान यादव एवं रानी पांडेय ने एक से बढ़कर एक होली गीत प्रस्तुत कर लोगों को झुमने पर मजबूर कर दिया. समारोह में समाजसेवी जानू चौधरी, जित्तू प्रतिनिधि राजेश राम, महादेव यादव, बुधन सिंह यादव, विकास यादव, अशोक यादव, कमलेश यादव, अमरजीत यादव, आनंद यदुवंशी, लखन यादव, सतेंद्र यादव, अविनाश सिंह, दीपक यादव, रंजीत पासवान, अशोक जायसवाल, संजय यादव, भोला यादव, मो. आबिद उर्फ मुन्ना, टिकू गुप्ता, हीरालाल यादव, अवधेश मेहता, दिनेश मेहता सहित बड़ी संख्या में राजद नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

छतरपुर नगर क्षेत्र के मतदाताओं का आभार, सेवा का संकल्प बरकरार : बुल बाबा

छतरपुर/छतरपुर नगर क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर चुका मिश्रा उर्फ बुल बाबा ने नगर के सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भले ही चुनाव परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहा, लेकिन जनता की सेवा करने का उनका हौसला भी उतना ही मजबूत है। बुल बाबा ने कहा कि वे हर सुख-दुःख की घड़ी में नगरवासियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैं चुनाव हारा हूँ, लेकिन जनता की सेवा करने की हिम्मत नहीं हारा हूँ। इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष अरविंद गुप्ता को जीत की शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि नगर क्षेत्र का संचालन सहज, पारदर्शी और जनहित के अनुरूप किया जाएगा। अंत में बुल बाबा ने छतरपुर नगर क्षेत्र के समस्त नागरिकों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

तिरुलडीह थाना में होली को लेकर शांति समिति की बैठक पुलिस-जनप्रतिनिधियों ने सौहार्द बनाए रखने की अपील



नवप्रदेश/चांडिल: तिरुलडीह थाना परिसर में रविवार को आगामी होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता तिरुलडीह थाना प्रभारी कोशल कुमार ने की। बैठक में कुकड़ू प्रखंड प्रमुख प्रतिमा वाला पातर मुख्य रूप से मौजूद रहें। बैठक में होली के दौरान क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाए रखने, आपसी सौहार्द कायम रखने तथा अफवाहों पर ध्यान न देने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। थाना प्रभारी कोशल कुमार ने लोगों से शांति और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की। वहीं प्रखंड प्रमुख प्रतिमा वाला पातर ने भी सभी से पूर्व की तरह मिलजुलकर होली मनाने का आग्रह किया। बैठक के बाद सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और त्योहार को शांतिपूर्ण व सुरक्षित तरीके से मनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर नवेल एक्का, ईचाडीह पंचायत के मुखिया नितारंजन सिंह मुंडा, लेटेम्दा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि इंद्रजीत सिंह मुंडा, ईचाडीह पंचायत समिति सदस्य मंगल सिंह मुंडा, चौड़ा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि रामलाल सिंह मुंडा, चौड़ा के ग्राम प्रधान शंकर सिंह मुंडा, सपादा के ग्राम प्रधान पीताम्बर सिंह मानकी, ईचाडीह के ग्राम प्रधान रघुवर कुमार, कुदा के ग्राम प्रधान राजेन सिंह मुंडा तथा कुकड़ू उप मुखिया प्रतिनिधि मनोज कुमार मछुआ समेत शांति समिति के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और पत्रकार उपस्थित रहे।

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के थाना परिसरों में हुई शांति समिति की बैठक



नवप्रदेश/ईचागढ़, चांडिल, नीमडीह व तिरुलडीह थाना परिसर में रविवार को शांति समिति की बैठक में होली का त्योहार शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का निर्णय लिया गया। ईचागढ़ थाना में अंचलाधिकारी दीपक प्रसाद, बीडीओ एकता वर्मा , थाना प्रभारी बजरंग महतो एवं प्रमुख गुरुपद माईी मुख्य रूप से उपस्थित थे। वहीं तिरुलडीह थाना परिसर में शांति समिति की बैठक में थाना प्रभारी कोशल कुमार, प्रमुख प्रतिमा वाला सिंह पातर मुख्य रूप से उपस्थित थे। नीमडीह थाना में थाना प्रभारी संतन तिवारी, चांडिल थाना में थाना प्रभारी डिलशन बोरुवा ने होली पर सरकारी गाइडलाइन का जानकारी दिया एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली मनाने में प्रशासन का सहयोग करने का अपील किया।वहीं पदाधिकारियों ने अश्लील गाने,डिजे का प्रयोग एवं शराब का सेवन कर हुड़दंगी करने वालों पर कार्रवाई करने की बात कही एवं सदस्यों से अपील किया कि होली के आड़ में अस्माजिक गतिविधि व हुड़दंगियों का सुचना थाना को देने का अपील किया ताकि समय पर कार्रवाई किया जा सके। बच्चा चोर जैसे अफवाहों से बचने का अपील किया।वहीं ईचागढ़ थाना प्रभारी बजरंग महतो ने अपील किया कि रिश्ते के आड में एवं किसी के मर्जी के खिलाफ रंग नहीं लगाएं, ताकि किसी के भावना आहत न हो और त्योहार शांति और सद्भावना के साथ मनाया जाय। मौके पर मुखिया मेनका सिंह मुण्डा, राम सिंह मुण्डा,समाजसेवी अनिल सिंह, विश्वनाथ उरांव, अमीत सिन्हा, ललित घोष, मुरलीधर मिश्रा, बासुदेव चटर्जी, हट्टु घोष, रायूब अंसारी, देबू गोराई, अतुल्य प्रामाणिक, गणेश गोराई, भोलानाथ गोराई आदि उपस्थित थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरणो की छठी राज्य स्तरीय दो दिवसीय सम्मेलन डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में शुरू हुई

नवप्रदेश/पलामू। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में झारखंड के जिला विधिक सेवा प्राधिकरणो की छठी राज्य स्तरीय दो दिवसीय सम्मेलन डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में शुरू हुई। कार्यक्रम का उदघाटन न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायमूर्ति आनंद सेन, न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी, व सेवा निवृत न्यायमूर्ति अम्बुजनाथ व झालसा के सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना के द्वारा किया गया।राज्यस्तरीय सम्मेलन में तकनीकी विषयो पर सत्रो का आयोजन न्यायमूर्तियों ने किया। वही उत्कृष्ट कार्य करने वाले डालसा से जुड़े लोगों को मोमेंटो व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।मौके पर पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश श्री राम शर्मा ,डालसा पलामू के

अध्यक्ष पति जानू चौधरी का भव्य स्वागत, विकास का दिलाया भरोसा



नवप्रदेश/हरिहरगंज/ हरिहरगंज शहर के दुर्गा मंदिर के समीप मोहम्मद हेलाल के आवास पर सामाजिक सौहार्द और उत्साह के साथ स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी इफ्फान शाहिद के नेतृत्व में हरिहरगंज नगर पंचायत की नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी के पति समाजसेवी जानू चौधरी का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। लोगों ने कुमारी शीला चौधरी को अध्यक्ष पद पर मिली जन-समर्थन की जीत के लिए बधाई दी और नगर पंचायत के सर्वांगीण विकास को लेकर अपनी अपेक्षाएं साझा कीं। जानू चौधरी ने आभार जताते हुए कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने सभी वर्गों के सहयोग से हरिहरगंज को विकास की नई दिशा देने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर इफ्फान शाहिद, मोहम्मद हेलाल, महाताब साहिल, मो. मौशाद, एजाज अंसारी, मो. खली, मो. रजा, पप्पू परवेज, अमित गुप्ता, मिट्टू गुप्ता, खुशींद आलम, कलेक्टर आलम, मो. धर्मवीर, गुड्डन आलम, बली अंसारी, नसीम अख्तर, आहील राजा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

समृद्धि की रोटी अभियान, जो कभी थका नहीं कभी हारा नहीं मिशन समृद्धि



नवप्रदेश/पलामू। मिशन समृद्धि द्वारा संचालित समृद्धि की रोटी अभियान निरंतर चलता रहता है। भोजन लेने वाले भी हमारा इंतजार करते हैं जिस वजह से हमारे काम करने का जज्बा और भी बढ़ जाता है। अबैडकर पार्क के सामने दोना पतल दातून बेचने वालों और राहगीरों के बीच के बीच ममता गुप्ता जी ने पूरी सब्जी बुन्दिया का वितरण किया।निरंतर चल रहे इस अभियान के लिए आदरणीय नागरिकों का जिनका सहयोग मिलता ही रहता है उनका हृदय से आभार। बैजन्ती गुप्ता वीणा राज ममता जी सबों के सराहनीय सहयोग के लिए अभिनंदन।

थाना प्रभारी से मिले नवनिर्वाचित पार्षद के अभिभावक, सहयोग का दिया भरोसा



नवप्रदेश/हरिहरगंज (पलामू)। नगर पंचायत हरिहरगंज के वार्ड संख्या-1 से नवनिर्वाचित पार्षद आसीम परवीन के अभिभावक महाताब आलम ने पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बुके देकर थाना प्रभारी का स्वागत किया। थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने वार्ड पार्षद के निर्वाचन पर बधाई देते हुए कहा कि क्षेत्र में विधि-व्यवस्था संधारण के लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने आपसी सहयोग और सामंजस्य के साथ कार्य करने पर जोर दिया। महाताब आलम ने भी प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। मौके पर मोहम्मद इंतजार आलम, सारिफ खान, मोहम्मद साहिल हुसैन, इब्रार आलम, मोहम्मद राजा, रियाज अंसारी, मोहम्मद इजहार, मोहम्मद जुल्फिकार आलम, मोहम्मद वसीर अंसारी, भोला समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नवाचार से ही बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी : अविनाश देव

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज पलामू में विज्ञान प्रदर्शनी सह नवाचार के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर संजय कुमार सिंह ने मोमेंटो अंगवस्त्र देकर स्वागत किए। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के मौके पर ऑडिटोरियम में विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के बचे प्रदर्शनी व इनोवेशन के कार्यक्रम रखे थे जहां मुख्य वक्ता अपना व्याख्यान दिए। कॉलेज के निकट अन्य विद्यालय से भी विज्ञान के

बच्चे शिरकत किए थे। अपने संबोधन में हमने कहा कॉलेज प्रबंधन का यह प्रयास बहुत ही सराहनीय व दीर्घकालिक लाभप्रद है। दुनिया के अन्य मुल्क तकनीकी में जो आगे हैं उसका कारण सिर्फ इतना है कि वहां के संस्थान और सरकार राष्ट्रभावना से जोड़ कर रिसर्च करने पर खर्च करते हैं जब की हमारे यहां यह कार्य नहीं होता है और मेधा पलायन कर जाता है। काश कि आज सुनीता जैसी महिला अपने देश के लिए नवाचार कर रही है। देश के राष्ट्रपति दो दिन पहले



सचिव राकेश रंजन, पलामू लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अमिताभ चन्द सिंह, डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय, मीडिएटर कुमार शिवाजी सिंह, बरुन कुमार सिंह, पैनल अधिवक्ता विक्रम सहाय,

होली पर्व आपसी प्रेम व भाईचारा का पैगाम देता है : गिरिनाथ सिंह



नवप्रदेश/हरिहरगंज मिडिल स्कूल के मैदान में रविवार को जनता प्रशासन की ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में जमकर अबीर-गुलाल उड़े और लोगों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया. उन्होंने कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देता है. समाज में एकता बनाए रखने के लिए ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. समारोह के संयोजक सह

सपा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश कुमार यादव ने अतिथियों का माला पहनाकर व पगड़ी बांधकर स्वागत किया. सहसंयोजक सह जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष अमित सिंह ने भी होली की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की. कार्यक्रम में व्यास नीलकमल चौहान व विनोद हलचल ने होली के पारंपरिक गीत प्रस्तुत कर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया. मौके पर एसआइ कुमार सौरव, अजय सिंह, संयोजक सह सपा के

प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश कुमार यादव, सह संयोजक सह जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष अमित सिंह, जित्तू प्रतिनिधि राजेश राम, समाजसेवी जानू चौधरी, लखदेव यादव, राजकुमार पासवान, अनिल शौंडिक, कामेश्वर पासवान, वसंत यादव, रवि यादव, शैलेश यादव, मुखिया संदीप यादव, प्रदीप चौधरी, अखिलेश मेहता, यदुनि यादव, कृष्णा सिंह, उपेंद्र यादव, गोपाल एफव, मो राशिद, उमा यादव, कुंदन यादव, मुलायम यादव, महानंद यादव सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे.

होली पर हुड़दंगियों पर सख्ती के संकेत, पलामू पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नवप्रदेश/पलामू: होली पर्व को लेकर पलामू पुलिस ने जिलेवासियों से शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की है। पुलिस प्रशासन ने कहा है कि होली खुशियों और रंगों का त्योहार है, इसलिए इसे प्रेम, सम्मान और सामाजिक सद्भाव के साथ मनाया जाना चाहिए।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी पर जबरन रंग न लगाएं तथा किसी भी प्रकार की अभद्रता या हुड़दंग से बचें। साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने से परहेज करने की सख्त हिदायत दी गई है। प्रशासन ने लोगों



से अपील की है कि अफवाहों पर

क्योंकि इससे कानून व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

पुलिस ने चेतावनी दी है कि शांति भंग करने, मारपीट, छेड़खानी, हुड़दंग या कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

किसी भी आपात स्थिति में लोगों से तुरंत डायल 112 पर संपर्क करने की अपील की गई है।

पलामू पुलिस ने कहा कि सुरक्षित रहें, सतर्क रहें और जिम्मेदार नागरिक बनकर प्रशासन का सहयोग करें, ताकि होली का पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

जेएमएम प्रखंड कमिटी जयनगर द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता

जयनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कमिटी जयनगर द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। कोडरमा जिला के जयनगर प्रखंड कमिटी झारखंड मुक्तिमोर्चा द्वारा प्रखंड के ग्राम पंचायत सतडीहा शिव मंदिर प्राण में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जेएमएम प्रखंड अयक्ष अशोक सिंह ने किया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव, पूर्व जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता और विशिष्ट अतिथि के रूप में जेएमएम नेत्री शालिनी गुप्ता, सैलन कार्य समिति सदस्य संजय पांडेय और मरकट्टो प्रखंड अध्यक्ष दिवाकर तिवारी मौजूद थे।

प्रदर्शनी व इनोवेशन के बदैलत धाक जमाए हुए है। पलामू गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज के तमाम विद्यार्थियों से कहना चाहेंगे कि देश और दुनिया के हर लैब में अपना रिसर्च के लिए जाएं और भारत के परचम को लहराएं। इंजीनियर केतन राज मेहता जी ने अपने कॉलेज के कार्यक्रम में आमंत्रित किए इनके पूरी टीम को सफल कार्यक्रम आयोजन के लिए धन्यवाद एवं आपका उज्ज्वल भविष्य की हम कामना करते हैं। शुक्रिया!

मंदिर के लिए जमशेदपुर में भूमि पूजन कर के गई उसमें क्या रिसर्च करेंगे झारखंड के बच्चे? वहीं अंतरिक्ष के पाटर्स बनाने वाला लघुउ अपने दुर्दिन पर आठ आठ आंसू बहा रहा है। साम्राज्यवादी शक्तियां आज भी भारत पर आंख तडेरें रहता है,रक्षा सौदा दूसरे देश पर निर्भर होता है अगर भारत के इंजीनियरों के प्रोत्साहन मिले तो भारतीय बच्चे जापान चीन को धूल चटा कर रख देंगे। सीवी भूत से अब्दुल कलाम तक इसरो से नासा तक हमारे वैज्ञानिक इसी



बालूमाथ मस्जिद-ए-उमर में तरावीह नमाज मुकम्मल, हाफिज को 1,01,001 का नजराना भेंट



नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता पवित्र रमजान माह के मुबारक अवसर पर बालूमाथ स्थित गालिब कालीनी की मस्जिद-ए-उमर में तरावीह नमाज मुकम्मल हो गई। पूरे रमजान माह के दौरान मस्जिद में हर रात बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर तरावीह की नमाज अदा की। मस्जिद का माहौल इबादत, तिलावत और रूहानी फिजा से सराबोर रहा। तरावीह नमाज मुकम्मल होने के अवसर पर मोहल्ले के लोगों ने सामूहिक रूप से तरावीह पढ़ाने वाले हाफिज साहब की खिदमत में 1,01,001 (एक लाख एक हजार एक रुपये) नजराना के तौर पर भेंट किया। लोगों ने इसे अपनी अकीदत और मोहब्बत का इजहार बताते हुए कहा कि रमजान का महीना सब्र, रहमत और बरकत का पैगाम देता है। हाफिज साहब ने पूरे माह अपनी खूबसूरत तिलावत से नमाजियों को रूहानी सुकून पहुंचाया। मस्जिद कमेटी के सदस्यों ने बताया कि पूरे रमजान के दौरान मस्जिद में विशेष इंतजाम किए गए थे। रोजाना तरावीह के साथ-साथ कुरआन की तिलावत और दुआओं का सिलसिला जारी रहा। तरावीह मुकम्मल होने पर मस्जिद में विशेष दुआएं की गईं और मुल्क में अमन-चैन एवं भाईचारे की कामना की गई। इस मौके पर मोहम्मद मजहर लाल, अजहर अमीन, जुनैद, तौफीक, महताब खान, एजाज खान, मोहम्मद इमरान, अल्ताफ, शहनवाज आलम, जिसान, सफ़राज समेत बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी, बुजुर्ग, नौजवान और बच्चे मौजूद रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

दिवंगत पायलट विकास भगत के श्राद्ध कर्म में पहुंचे आजसू नेता, परिजनों को बंधाया ढांडस



नवप्रदेश/लातेहार : सदर प्रखंड के ग्राम लूटी निवासी दिवंगत पायलट विकास भगत के श्राद्ध कर्म में आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत, लातेहार जिला अध्यक्ष अमित पांडेय, नगर अध्यक्ष विकास शाहू एवं विकास चंद्रवंशी शामिल हुए। नेताओं ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।ज्ञात हो कि 24 फरवरी 2026, मंगलवार को रांची से दिल्ली जा रहे विमान दुर्घटना में लातेहार जिले से सात यात्रियों की मृत्यु हो गई थी, जिसमें लूटी निवासी होनहार युवा पायलट विकास भगत भी शामिल थे। उनके असामयिक निधन से पूरे जिले में शोक की लहर है। इस मौके पर केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि विकास उनके परिवार का एक हिस्सा था। उनके निधन से अपूरणीय क्षति हुई है। वह एक प्रतिभाशाली और होनहार युवा थे, जिनका भविष्य अत्यंत उज्ज्वल था। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोककुल परिजनों को इस कठिन घड़ी में धैर्य प्रदान करे। श्राद्ध कर्म में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। सभी ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

चंदवा एयर एंबुलेंस हादसा: सांसद कालीचरण सिंह ने पीड़ित परिवार से मिलकर दी आर्थिक सहायता, दो करोड़ मुआवजे की मांग



नवप्रदेश/चंदवा में हुए एयर एंबुलेंस विमान हादसे के बाद शोकाकुल परिवार से मिलने कालीचरण सिंह दूसरी बार चंदवा पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और आर्थिक सहायता प्रदान की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे पीड़ित परिवार के साथ 24 घंटे खड़े हैं और हर संभव सहयोग करेंगे। सांसद ने बताया कि आश्रितों को दो करोड़ रुपये का आर्थिक मुआवजा दिलाने के लिए उन्होंने हेमन्त सोरेन से बातचीत की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि परिवार को न्याय और उचित सहायता दिलाने के लिए वे लगातार प्रयासरत रहेंगे। मौके पर निर्वर्तमान मंडल अध्यक्ष अमित कुमार, चंदवा पूर्वी मंडल अध्यक्ष आशीष सिंह, लाल रंजन नाथ शाहदेव, मंडल महामंत्री सह सांसद प्रतिनिधि दीपक निषाद, विधायक प्रतिनिधि आदर्श रविराज, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष विनय रिंकी वर्मा, चंद्रभूषण केसरी, संजोय आजाद, मुयरीलाल साहू, संजय साव, प्रेम नाथ गुप्ता, विजय साव, छोटे साव, मनोज पाठक, काशी ठाकुर, आशीष कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झारखंड कुशवाहा महासभा जिला लातेहार की मासिक बैठक एवं होली मिलन समारोह संपन्न



नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मारंगलोइया पंचायत के जिलंग्ला गांव स्थित शिव मंदिर प्रांगण में झारखंड कुशवाहा महासभा जिला इकाई लातेहार द्वारा रविवार को अपनी पारंपरिक मासिक बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष भूषण कुशवाहा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक के उपरांत पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होली मिलन समारोह भी हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भूषण कुशवाहा ने समाज की एकता, संगठन की मजबूती एवं सामाजिक उत्थान के लिए सभी सदस्यों से सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही अपने अधिकारों और विकास के लिए प्रभावी पहल कर सकता है।इस अवसर पर जिला महासचिव रोहित महतो, जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष रमेश कुमार महतो, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अनुप कुमार वर्मा,राम रतन मेहता, प्रखंड अध्यक्ष परमेश्वर महतो सहित सर्वश्री मोती महतो, जगरनाथ महतो, महादेव महतो, रघुनाथ महतो, मणी महतो, गिेश्वर महतो, जगदीश महतो, प्रयाग महतो, हिरालाल महतो, संकेन्द्र महतो, किशुन महतो, शिशु महतो, मालिक महतो, लखन महतो एवं सुरेश महतो समेत समाज के अनेक प्रबुद्ध कुशवंशी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में संपादन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा समाज हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। तत्पश्चात आयोजित होली मिलन समारोह में उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे व सौहार्द का संदेश दिया।

बरवाडीह प्रखंड में जम जम कलेक्शन कपड़ा दुकान का भव्य उद्घाटन

नवप्रदेश/बेतला/लातेहार/बरवाडी ह बाजार में नए कपड़ा प्रतिष्ठान ह्राजम जम कलेक्शन का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ किया गया। दुकान का उद्घाटनसमाजसेवी सह युवाओं के घड़कन मोहम्मद साहिद तथा मनिका विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुत्र विजय बहादुर सिंह और विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह उर्फ पिंटु ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह के दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य लोग एवं सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर समाजसेवी मोहम्मद साहिद ने कहा कि बरवाडीह बाजार में इस तरह की आधुनिक कलेक्शन वाली कपड़ा दुकान



खुलने से बाजार की रौनक बढ़ेगी और स्थानीय लोगों को बेहतर

विकल्प मिलेंगे। उन्होंने कहा कि होली और ईद जैसे प्रमुख त्योहार

नजदीक हैं, ऐसे में ग्राहकों को एक ही स्थान पर मनपसंद और

आकर्षक कपड़े उपलब्ध होंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्थानीय बाजार को बढ़ावा दें और जम जम कलेक्शन से खरीदारी कर व्यवसाय को सफल बनाएं।

वहीं विजय बहादुर सिंह ने कहा कि क्षेत्र में इस तरह के प्रतिष्ठानों का खुलना विकास का संकेत है। अब लोगों को बेहतर कपड़ों के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि बरवाडीह में ही गुणवत्तापूर्ण और फैशनेबल कपड़े उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि स्थानीय बाजार मजबूत होगा तो इसका सीधा लाभ आम जनता और व्यापारियों दोनों को मिलेगा। विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह उर्फ पिंटु ने भी दुकान संचालक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह

प्रतिष्ठान क्षेत्र के आर्थिक विकास में सहायक सिद्ध होगा। दुकान संचालक शाहील अंसारी ने आए हुए अतिथियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राहकों की पसंद और बजट को ध्यान में रखते हुए हर प्रकार के कपड़ों का विशेष कलेक्शन उपलब्ध कराया गया है। उद्घाटन समारोह में प्रभात सिंह, अजय सिंह, निर्मल सिंह, अशोक सिंह, सतीष कुमार, बहाउदीन अंसारी, गुलामे रज्जा, शाबीर अंसारी, गालीब राजा, सकलैन अंसारी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। समारोह का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और लोगों ने नए प्रतिष्ठान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महुआडांड में जाम नाली से लोग परेशान, ढाई लाख की सफाई के बावजूद नहीं सुधरी स्थिति



नवप्रदेश/महुआडांड (लातेहार)। प्रखंड मुख्यालय के शास्त्री चौक से पेट्रोल पंप तक जाम नाली की समस्या से स्थानीय लोग वर्षों से जूझ रहे हैं। नाली जाम रहने के कारण घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर बह रहा है, जिससे राहगीरों, दुकानदारों और आसपास के निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद पंचायत समिति फंड से लगभग ढाई लाख रुपये की लागत से नाली सफाई कार्य शुरू कराया गया। लोगों को उम्मीद थी कि वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा, लेकिन सफाई कार्य संतोषजनक ढंग से नहीं होने के कारण स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि शराब दुकान से पेट्रोल पंप तक नाली की पूरी लंबाई में समुचित सफाई नहीं की गई है। कई स्थानों पर कचरा और गंद आब भी जमा है, जिससे कुछ ही दिनों में दोबारा पानी सड़क पर बहने की आशंका जताई जा रही है। दुकानदारों का कहना है कि सड़क पर गंदा पानी जमा रहने से ग्राहकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है, जिसका सीधा असर उनके व्यवसाय पर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नाली की संपूर्ण लंबाई में गुणवत्ता के साथ सफाई कराई जाए और कार्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

धर्म के र्म को आचरण में उतारकर करें पालन : रामचंद्र सिंह तरवाडीह शिव मंदिर के स्थापना दिवस पर निकली भव्य कलश यात्रा



नवप्रदेश/लातेहार संवाददाता लातेहार प्रखंड के तरवाडीह स्थित शिव मंदिर के स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर परिसर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव के जयघोष से गुंज उठा और वातावरण भक्तिमय बना रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मनिका विधायक रामचंद्र सिंह उपस्थित रहे।उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा का शुभारंभ किया।श्रद्धालु महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर मंदिर परिसर से निर्धारित मार्गों का भ्रमण किया। कलश यात्रा के दौरान भक्ति गीतों, शंखनाद और मंत्रोच्चार से माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया। अपने संबोधन में विधायक श्री सिंह ने कहा,धर्म मर्म है, बताते हुए कहा कि माता-पिता की सेवा, गुणीजनों का सम्मान, धरती माता की रक्षा सहित धर्म के दस आवाम हैं, जिनका पालन प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने नर सेवा नारायण

सेवा का संदेश देते हुए कहा कि धर्म हमें एक सूत्र में बांधकर साथ चलना सिखाता है। समाज को आज धर्म के मार्ग पर चलकर आपसी एकता और भाईचारे को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कलश यात्रा जैसे धार्मिक आयोजन गांव और समाज में एकता, विश्वास और सद्भाव का संदेश प्रसारित करते हैं।ज्ञानकारी के अनुसार, मंदिर की स्थापना वर्ष 2002 में शैलेंद्र नाथ स्वामी की प्रेरणा से प्रयाग साव एवं छेदिराम चतुर्पु साव द्वारा आधारशिला रखकर की गई थी। स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष पूजा, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मंदिर समिति के राजेश प्रसाद, रामकुमार प्रसाद, विनोद राम, मनोज राम, प्रयाग साहू, सुनीता देवी, अर्चना देवी, गीता देवी सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। साथ ही विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव, युवा जिला अध्यक्ष अमित यादव, उप प्रमुख राजकुमार प्रसाद, पूर्व मुखिया जुलेश्वर लोहरा समेत कई गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र में भक्ति, उत्साह और उल्लास का वातावरण बना रहा।

चकला कोल ब्लॉक में कंपनी की मनमानी से ग्रामीणों में आक्रोश, स्थानीय ठेकेदारों को काम नहीं मिलने पर आंदोलन की चेतावनी

कुछ चर्चित लोगों को ही मिल रहा सिविल कार्य, छोटे स्तर के ठेकेदारों में नाराजगी

नवप्रदेश/टीपू खान/ बबनू खान/ चन्दवा बालूमाथ संवाददाता लातेहार जिला अंतर्गत चंदवा प्रखंड क्षेत्र के चकला आवॉटित कोल ब्लॉक, जिसे केंद्र सरकार द्वारा हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को आवॉटित किया गया है, इन दिनों स्थानीय ग्रामीणों के आक्रोश का केंद्र बनता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी द्वारा सिविल कार्य शुरू किए जाने के बावजूद स्थानीय लोगों को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं दी जा रही है, जिससे क्षेत्र में अंतोर्गह गहराता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब कोल ब्लॉक के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई थी, तब उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि



परियोजना से स्थानीय युवाओं, मजदूरों और छोटे ठेकेदारों को रोजगार तथा संवेदक के रूप में अवसर मिलेगा। लेकिन वर्तमान स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है। आरोप है कि कंपनी कुछ चुनिंदा और चर्चित लोगों को ही सिविल

कार्य दे रही है, जबकि स्थानीय योग्य ठेकेदारों को दरकिनार किया जा रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि वे जीएसटी, पैन कार्ड सहित आवश्यक मूल दस्तावेजों के साथ छोटे स्तर के सिविल कार्य करने में सक्षम हैं और पूर्व में भी निर्माण

कार्य कर चुके हैं। इसके बावजूद कंपनी कार्यालय में आवेदन देने पर उनसे अत्यधिक कागजात, पुराने वर्क ऑर्डर और तकनीकी प्रमाण पत्र मांगे जा रहे हैं। ग्रामीण इसे अनावश्यक जटिल प्रक्रिया बताते हुए आरोप लगा रहे हैं कि कंपनी

जानबूझकर स्थानीय लोगों को अवसर नहीं देना चाहती।ग्रामीणों का आक्रोश इस बात को लेकर भी है कि अब तक उन्होंने अपनी पूरी जमीन कंपनी को हस्तांतरित नहीं की है। उनका कहना है कि जब जमीन स्थानीय लोग दे रहे हैं तो प्राथमिकता भी उन्हें ही मिलनी चाहिए। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि आरोप सच है तो भविष्य में उनकी स्थिति और कमजोर हो जाएगी।इधर, क्षेत्र में बैठकों का दौर शुरू हो गया है और ग्रामीण एकजुट होने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, यदि शीघ्र ही कंपनी द्वारा स्थानीय लोगों को कार्य देने की स्पष्ट और पारदर्शी नीति घोषित नहीं की गई, तो ग्रामीण

आंदोलन का रास्ता अपना सकते हैं। कई युवाओं ने कहा है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को रखने के पक्षधर हैं, लेकिन लगातार अनदेखी होने पर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।इस संबंध में कंपनी प्रबंधन का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी थी।चकला कोल ब्लॉक क्षेत्र में बढ़ता असंतोष आने वाले दिनों में गंभीर रूप ले सकता है। अब देखा जा रहे है कि कंपनी स्थानीय अपेक्षाओं को लेकर कितनी संवेदनशीलता दिखाती है और विश्वास बहाली के लिए क्या ठोस कदम उठाती है।

हम वापस जाकर सोचेंगे कि हमें ODI में कैसे आगे बढ़ना है : हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली: भारतीय महिला टीम ने जब साल 2025 में घर पर खेले गए महिला वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को अपने नाम किया था, तो उसके बाद सभी को उम्मीद थी कि यहां से टीम इंडिया का इस फॉर्मेट में अब अलग ही प्रदर्शन देखने को मिलेगा। हालांकि अब भारतीय टीम को जो अभी ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर है उन्हें वहां पर तीन मैचों की वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है। टीम इंडिया को इस सीरीज के तीनों ही मुकाबलों में एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। इसमें तीसरा वनडे मैच जो होबार्ट के स्टेडियम में खेला गया उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम 185 रनों के अंतर से जीतने में कामयाब रही। वहीं इस सीरीज में क्लीन स्वीप होने के बाद टीम इंडिया की कप्तान हरमनप्रीत कौर का भी बड़ा बयान सामने आया है। हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया



महिला टीम के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में मिली 185 रनों की बड़ी हार के बाद ब्रॉडकास्टर के साथ बातचीत करते हुए दिए बयान में कहा कि मुझे लगता है कि कुल मिलाकर हमने अच्छा

क्रिकेट नहीं खेला। ळ20 में हम सब कुछ सही कर रहे थे और डक़र सीरीज में हमने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला, इसी वजह से हमें इस तरह की हार का सामना करना पड़ा। वनडे एक लंबा गेम

है और आपको बार-बार सही चीज़ें करते रहना होता है। मुझे लगता है कि हम बहुत सारी गलतियां की और इसका क्रेडिट ऑस्ट्रेलियन टीम को भी जाता है क्योंकि उन्होंने सच में अच्छा

क्रिकेट खेला और हमें वापसी का मौका नहीं दिया। मुझे लगता है कि इससे हमें बहुत कुछ सीखने को मिला और निश्चित रूप से हम वापस जाकर सोचेंगे कि हमें डक़र क्रिकेट में कैसे आगे बढ़ना है।

अब दोनों टीमों के बीच में खेला जाएगा एक टेस्ट मैच

टीम इंडिया को अभी इस दौर पर मेजबान टीम के खिलाफ एक मैच की टेस्ट सीरीज भी खेलना है जो 6 मार्च से पर्थ के वाका स्टेडियम में खेला जाएगा। इसको लेकर हरमनप्रीत कौर ने भी बयान दिया कि सभी को अच्छी मानसिक स्थिति में रखना और यह बहुत जरूरी है। मुझे पता है कि हमारे पास तैयारी के लिए बहुत कम समय है लेकिन अब यह सिर्फ खुद पर विश्वास करने और खुद को अच्छी मानसिक स्थिति में रखने और टीम के लिए सही चीज़ें करने के बारे में है।

जीपीकेएल सीजन-2 में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को जोड़ने के लिए लागू होगी ड्राफ्ट प्रणाली

नई दिल्ली: यूरोप, अफ्रीका और एशिया के विभिन्न देशों से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी की पुष्टि के बाद ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (जीपीकेएल) ने रविवार को घोषणा की कि सीजन-2 में संतुलित और प्रतिस्पर्धी टीमों तैयार करने के उद्देश्य से एक संरचित प्लेयर ड्राफ्ट प्रणाली लागू की जाएगी।

यह ड्राफ्ट प्रणाली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं को एकीकृत करने के लिए तैयार की गई है। जीपीकेएल सीजन 2 में प्रत्येक फ्रेंचाइजी दो टीमों एक पुरुष और एक महिला टीम उतारेगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक टीम में घरेलू और प्रवासी खिलाड़ियों का मिश्रण अनिवार्य होगा, जो भारत की मजबूत कबड्डी परंपरा को उभरती वैश्विक भागीदारी से जोड़ने की लीग की मूल भावना को प्रतिबिंबित करता है। अपने पहले सीजन में जीआईपीकेएल के रूप में शुरूआत करने के बाद



सीजन 2 की यह ड्राफ्ट प्रणाली पेशेवर रूप से संगठित और प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन वाली टीमों के निर्माण की दिशा में अगला कदम है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समावेशन को भी प्राथमिकता दी गई है। इस मॉडल के तहत संरचित ट्रायल्स से उभरने वाले खिलाड़ियों का तकनीकी कौशल, फिटनेस, सामरिक समझ और टीम के अनुरूप ढलने की क्षमता के आधार पर मूल्यांकन किया

लुंगी एनगिडी ने रच दिया टी20 वर्ल्ड कप में इतिहास

नई दिल्ली: टी20 वर्ल्ड कप 2026 का 51वां मैच जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने नया इतिहास रच दिया है। वह साउथ अफ्रीका के लिए टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने तबरेज शम्सी को पीछे छोड़ दिया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में लुंगी एनगिडी ने एक विकेट अपने नाम किया। इस मुकाबले में लुंगी एनगिडी ने अपने कोटे के दूसरे ओवर में जिम्बाब्वे के अनुभवी बल्लेबाज रयान बर्ल का विकेट लिया। एनगिडी ने उन्हें छह कर-के आउट किया। इस एक विकेट के साथ ही अब लुंगी एनगिडी साउथ अफ्रीका के लिए टी20 इंटरनेशनल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उनके नाम इस फॉर्मेट में 90 विकेट दर्ज हो गए हैं।

एफआईएच वर्ल्ड कप : क्वालीफायर के लिए भारत और स्कॉटलैंड की महिला हॉकी टीमें हैदराबाद पहुंचीं

हैदराबाद: भारतीय महिला हॉकी टीम रविवार दोपहर हैदराबाद पहुंची, जहां 8 से 14 मार्च तक एफआईएच वर्ल्ड कप का क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। स्कॉटलैंड की महिला हॉकी टीम भी आज शहर पहुंच गई, जिसके साथ ही आठ देशों के इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट का माहौल बनाना शुरू हो गया है।

इस क्वालीफायर टूर्नामेंट में विश्व कप के लिए तीन स्थान दांव पर हैं। ऐसे में दोनों टीमें शुरूआती दिनों में परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालकर प्रतियोगिता में मजबूत शुरूआत करने का लक्ष्य रखेंगी। मेजबान भारतीय टीम घरेलू परिस्थितियों और स्थानीय दर्शकों के समर्थन का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करेगी। टीम हाटल में बेंगलुरु में एक महीने के विशेष प्रशिक्षण शिविर के



बाद यहां पहुंची है। इस शिविर में खिलाड़ियों ने फिटनेस, कंडीशनिंग और रणनीतिक तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया, ताकि टूर्नामेंट की चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार रहा जा सके। भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने टीम की तैयारियों पर कहा, हम हैदराबाद आकर बेहद खुश हैं। अपने घर में खेलना हमेशा खास होता है। पिछले कुछ हफ्तों में हमने अच्छी तैयारी की है और टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है। हमारा

लक्ष्य साफ है—हर मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना। घरेलू दर्शकों का समर्थन हमें निश्चित रूप से प्रेरित करेगा। स्कॉटलैंड की कप्तान सारा रॉबर्टसन ने कहा, यह हमारा भारत का पहला दौरा है। हम आगे आने वाली चुनौती को लेकर उत्साहित हैं। हमारा लक्ष्य भी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना है। हमें पता है कि चुनौती कटिन है, लेकिन हम

इसके लिए तैयार हैं। टूर्नामेंट में भारत और स्कॉटलैंड को पूल-बी में रखा गया है, जहां उनके साथ उरुग्वे और वेल्स की टीमें भी शामिल हैं। भारत अपने अभियान की शुरूआत 8 मार्च को उरुग्वे के खिलाफ करेगा, इसके बाद 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स से मुकाबला खेलेगा। वहीं स्कॉटलैंड 8 मार्च को वेल्स के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा और 11 मार्च को उरुग्वे से भिड़ेगा।

अरुणा बुधिया मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के विजेता बनी फेरो फाइटर्स टीम



रामगढ़: बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड की ओर से आयोजित अरुणा बुधिया मेमोरियल इंटर-डिपार्टमेंट क्रिकेट टूर्नामेंट 4.0, का रविवार को सिरका क्रिकेट स्टेडियम में भव्य समापन हुआ। रोमांचक फाइनल मुकाबले में फेरो फाइटर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पावर पार्टनर्स को पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मैच में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना और जुझारूपन का परिचय दिया। फेरो फाइटर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 160 रन बनाए। वहीं पावर पार्टनर्स ने लक्ष्य का

पीछ करके हुए 16.2 ओवर में 95 रन बनाकर ऑल आउट हो गईं। फेरो फाइटर्स ने यह फाइनल मैच 65 रनों के अंतर से जीत लिया। स्वर्णीय अरुणा बुधिया की स्मृति में आयोजित इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों और लगभग 120 खिलाड़ियों ने भाग लिया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन और टीमवर्क का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अनंत शंकर सेठ, चीपी, जीएफए ने सभी विभागाध्यक्षों और वरीय अधिकारियों की उपस्थिति में विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं गुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

एलिसा हीली ने शतक के साथ वनडे क्रिकेट को कहा अलविदा, ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 185 रन से हराया

होबार्ट: ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने अपने अंतिम वनडे मुकाबले में 158 रन की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को भारत के खिलाफ 185 रन की बड़ी जीत दिलाई। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 3-0 से जीत ली। बेलरीव ओवल में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 409 रन बनाए, जो घरेलू मैदान पर उसका पहला 400 से अधिक का स्कोर है। हीली के अलावा बेथ मूनी ने 84 गेंदों पर नाबाद 106 रन बनाए।

अंत में निकोला कैरी ने 15 गेंदों में नाबाद 34 रन की तेज पारी खेली। भारत की ओर से स्नेह राणा (44 रन) ने सर्वाधिक योगदान दिया, लेकिन टीम 45.1 ओवर में 224 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अलाना किंग ने 4 विकेट झटके और भारतीय बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पहले गेंदबाजी चुनी। हीली ने 98



गेंदों में 158 रन की पारी खेलते हुए 79 गेंदों में शतक पूरा किया। यह उनका वनडे करियर का आठवां शतक रहा। उनकी इस पारी के दौरान उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

410 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही। स्मृति मंधाना बिना खाता खोले आउट हो गईं। जेमिमा रोड्रिग्स (42 रन) ने कुछ आक्रामक शॉट लगाए, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। हरलीन देओल

(14 रन) रन आउट हुई और हरमनप्रीत कौर 25 रन बनाकर आउट हो गईं।

मध्यक्रम में दीप्ति शर्मा (29 रन) और स्नेह राणा ने थोड़ी देर संघर्ष किया, लेकिन लक्ष्य काफी बड़ा था। अंततः ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने भारत को 46वें ओवर में समेट दिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने बहु-प्रारूप श्रृंखला में 8-4 की बहुत बसा ली है और अब दोनों टीमों पर्थ में खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मैच की तैयारी करेंगी।

ब्लैक बेल्ट पाकर 55 ताईक्वांडो खिलाड़ियों के खिले चेहरे



मुरादाबाद: जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी में 55 ताईक्वांडो खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट का वितरण हुआ। इस दौरान जिले के ताइक्वांडो खिलाड़ियों को नई तकनीकियां भी समझाई गईं। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव शाहवेज अली ने बताया कि कलर बेल्ट वितरण शिविर में ताइक्वांडो खिलाड़ियों को एडवांस प्रशिक्षण भी दिया गया। इसमें खिलाड़ियों को नई तकनीक और कौशल के बारे में जानकारी दी गई व आगामी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन दिखा

सकें। इस तरह के शिविर का संचालन जिले में अलग-अलग स्थानों पर आगे भी आयोजित होते रहेंगे। इससे जिले के खिलाड़ियों में जागरूकता बनी रहेगी व सभी खिलाड़ी आगामी राज्य, राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेरते रहेंगे। आरएसडी एकेडमी के निदेशक डॉ. विनोद कुमार व डॉ. जी. कुमार ने कहा कि इस समय सभी स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं। इसके बावजूद भी खिलाड़ियों में ताइक्वांडो को लेकर अधिक जोश बना हुआ है। वह खूब पसीना बहा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि पढ़ाई के साथ खेल और शारीरिक व्यायाम भी अधिक महत्वपूर्ण है।

प्राग इंटरनेशनल शतरंज फेस्टिवल के चौथे दौर में डी. गुकेश को डेविड नवारा ने रोका



प्राग: प्राग इंटरनेशनल शतरंज फेस्टिवल के चौथे दौर में विश्व चैंपियन डी. गुकेश की पहली जीत की तलाश जारी रही। उन्हें चेक गणराज्य के दिग्गज ग्रैंडमास्टर डेविड नवारा ने ड्रॉ पर रोक दिया। डी. गुकेश ने हार्वर्ड लोपेज बर्लिनह् ओपनिंग में बहुत बनाने की कोशिश की, लेकिन अनुभवी डेविड नवारा ने सटीक बचाव किया। 72 चालों के बाद रूक और प्यादों के एंडगेम में मुकाबला ड्रॉ रहा। इसी दिन नीदरलैंड के जॉर्डन वान फोरेस्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार मुकाबलों में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। उन्होंने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसतोरोव ने भी अंक साझा किए। अंक तालिका में जॉर्डन वान फोरेस्ट तीन अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। उनके पीछे नोदिरबेक अब्दुसतोरोव और डेविड नवारा ढाई अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। नोदिरबेक याकुबोएव, विन्सेंट कीमर और

दुबई एयरपोर्ट के पास धमाका, पीवी सिंधु को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

नई दिल्ली: भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को दुबई एयरपोर्ट के पास हुए धमाके के बाद सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। वह अपनी टीम के साथ एयरपोर्ट पर फंसी हुई थीं, जहां अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण उड़ान संचालन अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया था। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन खेलने के लिए रवाना हुई थीं, लेकिन हालात बिगड़ने के कारण उन्हें दुबई में रुकना पड़ा। एयरस्पेस बंद होने से कई उड़ानें प्रभावित हुईं और यात्री एयरपोर्ट पर ही इंतजार करने को मजबूर हो गए। सिंधु ने सोशल मीडिया पर बताया, ह्रस्विति हर घंटे और भयावह होती जा रही है। कुछ घंटे पहले एयरपोर्ट पर जहां हम ठहरे हुए थे, उसके पास जोरदार धमाका हुआ। मेरे कोच को घुएं और मलबे के सबसे करीब होने के



कारण तुरंत वहां से भागना पड़ा। वह हम सभी के लिए बेहद तनावपूर्ण और डरावना पल था ह्द उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल सभी सुरक्षित हैं और दुबई एयरपोर्ट रस्टाफ व स्थानीय प्रशासन की मदद से उन्हें अधिक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। सिंधु ने दुबई में स्थित भारतीय उच्चायोग का भी विशेष रूप से आभार जताया, जिसने लगातार संपर्क में रहकर सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि अब वे हालात सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं।

आज के दौर में ज्वेलरी मेकिंग सिर्फ सुनारों का ही खानदानी काम नहीं रहा। आप भी गहने बनाने के काम में अपना भविष्य बना सकते हैं। शुरु में थोड़े इन्वेस्टमेंट के साथ आप अपना काम भी शुरू कर सकते हैं। कैसे, इस बारे में बता रहे हैं... जिस तरह ज्वेलरी अब सिर्फ सोने-चांदी का नाम नहीं है, ठीक वैसे ही यह काम अब केवल सुनारों का नहीं रह गया है। ज्वेलरी की बढ़ती डिमांड और बाजार में प्रतिस्पर्धा के चलते अब इस क्षेत्र में पढ़े-लिखे डिग्रीधारी प्रोफेशनल्स को काम करने का मौका मिलने लगा है।

ज्वेलरी मेकिंग

अपना करियर खुद कीजिए डिजाइन

भारत रत्न विज्ञान केंद्र के निदेशक एपी सिंह ने बताया कि 'ज्वेलरी मेकिंग में भारत दुनिया भर में सबसे आगे हो चुका है। यहां सस्ते और अच्छे कारीगर मिलने की वजह से विश्व का ध्यान भारत की ओर टिका हुआ है।' अब वह दौर भी धीरे-धीरे जा रहा है, जब लोग ज्वेलरी को आवश्यकता की चीज यानी इन्वेस्टमेंट की नजर से ज्यादा और साज-सज्जा यानी श्रृंगार की सोच से कम खरीदा करते थे। आजकल लोग इन्वेस्टमेंट के साथ इस बात पर विशेष ध्यान देने लगे हैं कि वे जिस आभूषण को खरीद रहे हैं, उसका डिजाइन कैसा है और वह पहनने पर कैसा लगेगा। डिजाइन अच्छा होगा तो उसे पहनने वाले की सुंदरता में भी चार चांद लगेंगे।

लोगों की इसी सोच के चलते अब सोने-चांदी के अलावा आर्टिफिशियल और कॉस्टयूम ज्वेलरी की भी बाजार में काफी डिमांड है। खैर, ज्वेलरी चाहे सोने-चांदी की हो या आर्टिफिशियल या कॉस्टयूम, दोनों को तैयार करने वालों को प्रशिक्षण एक ही तरह का दिया जाता है। आजकल के बदलते ट्रेंड और इस क्षेत्र में करियर के उम्दा चांस मिलने के चलते युवा इस ओर खूब रुख कर रहे हैं। इस क्षेत्र में पैसे की भी कोई कमी नहीं है।

ज्वेलरी मेकर्स का काम

इस क्षेत्र में काम करने वालों को आभूषण बनाना, उन्हें मॉडिफाई करना, डिजाइन करना आदि के अलावा जैमोलॉजी की बेसिक जानकारी तथा कास्टिंग टेक्नोलॉजी, ज्वेलरी का इतिहास, स्टोन कटिंग एंड इनेबलिंग यानी नक्काशी,

रत्नों की शुद्धता मापना, रत्नों का चुनाव, मूल्य, सेटिंग, पॉलिशिंग, सोडिंग एवं सोल्डरिंग, फेब्रिकेशन, रिपेयरिंग, रत्नों के अलावा टेराकोटा मोतियों और हाथी दांत व सीपियों का प्रयोग करना सिखाया जाता है। अगर आप कला में रुचि रखते हैं। दसवीं या बारहवीं पास हैं और अपना काम करना चाहते हैं या आपको नौकरी उतनी अच्छी नहीं मिल रही है अथवा आप परीक्षाओं में अच्छे अंक नहीं ला पाए हैं तो आप ज्वेलरी मेकिंग का काम सीख कर इस क्षेत्र में बहुत अच्छा पैसा कमा सकते हैं। कैसे, आइए जानें:- ज्वेलरी मेकिंग या डिजाइनिंग के लिए कम से कम 10 फुट चौड़े और 12 फुट लंबाई वाले कमरे की जरूरत होती है। बड़ा काम करने के लिए उसी हिसाब से जगह की ज्यादा जरूरत होती है।

❶ **लागत:** इस काम को करने में कम से कम पांच लाख रुपए का खर्च आता है। आप जितना बड़ा काम करना चाहेंगे, लागत भी उतनी ही अधिक आएगी। अगर आप केवल टांका लगाने का काम करते हैं या तार खींचने का काम या लड़ी जोड़ने यानी पिरोने का काम करना चाहते हैं तो आपको काम बीस-तीस हजार रुपए में शुरू हो सकता है। जगह का खर्च आपको अलग से वहन करना पड़ेगा।

❷ **हैंड्स:** हैंड्स यानी सहयोग, मतलब आपको इस काम को करने के लिए कम से कम कितने वर्कर्स की आवश्यकता पड़ेगी तो आपको बता दें कि पांच लाख की लागत लगा कर काम शुरू करने पर आपको कम से कम 15 लोगों की आवश्यकता पड़ेगी। अगर आप काउंटर लगाकर काम शुरू करते हैं तो आपको किसी अन्य व्यक्ति की सहायता की जरूरत नहीं पड़ेगी या काम के हिसाब से आप कारीगर रख सकते हैं।

❸ **योग्यता:** ज्वेलरी मेकर बनने के लिए डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करना आवश्यक है। इसके लिए आपको न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं होनी चाहिए। कुछ प्राइवेट संस्थान दसवीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। बड़े संस्थान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश देते हैं।

❹ **कोर्स की अवधि:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्सज की अवधि तीन माह से लेकर दो साल तक है। इसमें तीन से छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं, जबकि एक से दो साल में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। आजकल कुछ संस्थान साप्ताहिक कोर्स भी कराते हैं, जिनमें

प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थान

ज्वेलरी मेकिंग का प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थानों के नाम व पते इस प्रकार हैं-

रत्न परीक्षण प्रयोगशाला: राजस्थान चेंबर भवन, द्वितीय तल, मिर्जा इस्माइल रोड, जयपुर-302003,
रत्न भारतीय हीरा संस्थान: कैटरम गिड्स, पोस्ट बॉक्स नं-508, सुमुल डेयरी रोड, सूरत-395008, गुजरात
रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धक परिषद: डॉ बाबा साहेब भीमराव अवेडकर मार्ग, मुंबई
भारत रत्न विज्ञान केंद्र: झंडेवालान, नई दिल्ली,
भारतीय रत्न विज्ञान संस्थान: नई दिल्ली
दिल्ली जेम एंड ज्वेलरी इंस्टीट्यूट: नई दिल्ली

टांका लगाना, ज्वेलरी साफ करना, तार खिंचाई, लड़ी जोड़ना सिखाया जाता है।

❶ **शुल्क:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्स का शुल्क प्रशिक्षण अवधि, कोर्स और संस्थान पर निर्भर करता है। इस काम को सिखाने वाले संस्थान 10 हजार रुपए से दो लाख रुपए तक चार्ज करते हैं। जो संस्थान सिर्फ टांका आदि लगाना सिखाते हैं, वे एक हजार से पांच हजार तक वसूलते हैं।

❷ **आमदनी:** ज्वेलरी मेकिंग का काम एक ऐसा काम है, जिसमें आपको आमदनी अच्छी होने के साथ बढ़ती ही रहती है। इस काम

में सोने-चांदी का 15 प्रतिशत हिस्सा अलॉय यानी दो-तीन धातुओं के मिश्रण में और 5 प्रतिशत हिस्सा ढलाई में मिलता है। मोटे तौर पर कहें तो कुल मिला कर अलग-अलग जगहों के हिसाब से 14, 15, 18 या 23 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले को मिलता है और बनवाई अलग से मिलती है। अन्य धातुओं से ज्वेलरी बनाने में केवल बनवाई मिलती है। शुद्ध आमदनी की अगर बात की जाए तो पांच लाख रुपए की लागत से शुरू किए गए काम से आप लाखों रुपए महीने तक कमा सकते हैं, जबकि आर्टिफिशियल या कॉस्टयूम ज्वेलरी बनाने में कुछ कम आमदनी होती है। आपका काम जितने बड़े स्तर का होगा या बढ़ेगा, उसी हिसाब से आमदनी भी बढ़ेगी।

❸ **लोन:** ज्वेलरी मेकिंग का काम शुरू करने के लिए अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो आप लोन भी ले सकते हैं। इसके लिए आपके पास दो रास्ते हैं। एक निजी स्तर पर सीधे बैंक से लोन लेने का और दूसरा सरकारी संस्थान के सर्टिफिकेट पर ग्रामीण या शहरी स्वरोजगार योजना की स्कीमों के अंतर्गत लोन लेकर काम शुरू करने का। दोनों ही तरह से आपको जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। इन दस्तावेजों में प्रोजेक्ट रिपोर्ट, जगह के कागज, बैंक या स्कीम के मुताबिक सिव्योरिटी मनी, शिक्षा के प्रमाण-पत्र, आईडी प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो आदि शामिल हैं। इसके अलावा आपको दो गवाह भी चाहिए। लोन की राशि आपकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट, कार्य का आकार-प्रकार और जगह की वैल्यू पर निर्भर करेगी।



हमेशा ऊंचाइयों पर कैसे रहें?

यदि आप चाहते हैं कि आप ऊंचाई पर हों और प्रसन्नचित रहें तो उसका एक ही तरीका है, हमेशा दूसरों को प्रसन्न रखें। दूसरों की सहायता करने में कोई हर्ज नहीं है, किंतु यदि आप इसे अपनी प्राथमिकताओं, वचनबद्धता व जरूरतों की कीमत पर करते हैं तो आप हमेशा अप्रसन्न महसूस करेंगे। आपको इस बात का भी अहसास होगा कि आप अपने वांछित लक्ष्यों, इच्छाओं व उद्देश्यों को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही आपको सुनिश्चित समय-अंतराल के साथ, सुनिश्चित लक्ष्यों की भी जानकारी होनी चाहिए। आपकी वचनबद्धता के स्तर, उत्साह व प्रेरणा में मेल होना भी जरूरी है। बड़े लक्ष्य पाने हैं तो बड़े कदम उठाने होंगे। आपके भीतर पथ में आने वाली हर बाधा पर हावी होने, उसका सामना करने व उस पर विजय पाने का साहस होना चाहिए।

पराजितों से दूर रहें

ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते। इन पराजितों के दल का हिस्सा न बनें, क्योंकि इनमें से कुछ को बदल पाना नामुमकिन होता है। यदि आप

शांत रहें व दूसरों को भी सहज रखें

आपको न केवल स्वयं को शांत व सहज रखना है, बल्कि अपने संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भी आरामदेह महसूस करवाना है। हमें अपने सपनों को साकार करने के लिए आने वाले दिन की राह नहीं देखनी, बल्कि इस पर आज से ही काम शुरू कर देना है। आपको बड़े-से-बड़ा बनने का सपना देखना चाहिए। सफल व असफल लोगों में सबसे बड़ा अंतर एक ही होता है, वह है उनकी दृढ़ता। हमेशा ऊंचाई पर व प्रसन्नचित रहने का एक तरीका यह भी है कि व्यक्ति वितीय रूप से स्वतंत्र हो। जीवन में कई पहलु होते हैं जैसे परिवार, व्यवसाय व सामाजिक जीवन आदि।

उनके साथ रहेंगे तो नकारात्मकता की चपेट में आते देर नहीं लगेगी।

प्रेरणा का स्रोत ऊंचा रखें

प्रेरणा का स्तर इतना ऊंचा हो कि आप हमेशा एक से दूसरे लक्ष्य तक जाने के लिए प्रेरित रहें। आपको अहसास हो कि सफलता की राह में अड़चनें भी होती हैं और आप उन बाधाओं व अड़चनों के बावजूद यात्रा को अधूरा नहीं

छोड़ने वाले।

केवल आज में ही जिएं

प्रसन्न रहने का एक तरीका यह भी है कि बीते दिन की बुरी यादों को साथ न लाएं और न ही आने वाले कल की चिंता करें। प्रायः हम जिस दुर्भाग्य की कल्पना कर लेते हैं, वह घटित नहीं होती। यदि कोई संकट या परेशानी सामने आ भी जाए तो याद रखें कि वह भी बीत जाएगी। दिमाग में किसी भी चिंता का बोझ न डालें। हम आज का भार तो सह सकते हैं, किंतु कल व आने वाले कल की परेशानी का भार नहीं सह सकते। मनुष्य का स्वभाव भी बड़ा विचित्र होता है, वह एक शेर को तो चकमा दे सकता है, लेकिन किसी मच्छर या मक्खों को नहीं उड़ा पाता। ऊंचाई पर रहने का सबसे बेहतर तरीका यही है कि आने वाले कल को उन चिंताओं पर विचार न करें, जो संभवतः कभी घटित ही न हों। मिशेल डी मोंडज ने कहा है- "मेरा जीवन ऐसे भयानक दुर्भाग्यों से भरपूर रहा है, जिनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जो कभी घटित ही नहीं हुए। ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते।

ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें...



थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी... इनका प्रयोग अक्सर कम्युनिकेशन के दौरान होता है। कम्युनिकेशन अपने आप में काफी बड़ा, विस्तृत और आकर्षक विषय है। समाज में विभिन्न स्तरों पर संवाद की जरूरत और किस प्रकार का संवाद होना चाहिए, इस पर कई बातें निर्भर करती हैं।

कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी कम्युनिकेशन पर काफी ध्यान दिया जाता है। कम्युनिकेशन में सकारात्मकता आपको घर से लेकर आपके ऑफिस में सहायक सिद्ध होगी। घर पर अगर आप परिवार के किसी सदस्य के साथ बातचीत कर रहे हैं और उसमें कोई बात आपको अच्छी नहीं लगी तब आप तत्काल उस पर प्रतिक्रिया देते हैं और टोक देते हैं। खासतौर पर जब बात युवा साथी की हो तब उसे टोकना जरूरी भी है ताकि वह अपने कम्युनिकेशन में बदलाव लाए, पर यहां भी बात सकारात्मकता की लागू होती है। अगर आपने डांट कर अपनी बात मनाने के लिए कोई बात कही तब कुछ भी नहीं होने वाला और हो सकता है कि अगली बार आप संवाद स्थापित करने का मौका ही छोड़ दें। अगर बात कॉर्पोरेट वर्ल्ड की है तब कार्यालयों में यह देखा जाता है, अगर कोई कर्मचारी समय पर नहीं आता है तब छुट्टी से लेकर नोटिस देने जैसे कितने ही कार्य होते हैं। एक कंपनी में तो देरी से आने वाले को सभी स्टॉफ के सामने डांटने जैसी परंपरा ही थी, परंतु इससे क्या व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाया जा सकता है क्या? या फिर कम्युनिकेशन इसमें किस तरह का हो सकता

है, इस बारे में विचार किया जाए।

पॉजिटिव कम्युनिकेशन की बात की जाए तब कार्यालय में देरी से आने वाले कर्मचारी को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि चलिए आज कोई समस्या होगी बावजूद इसके आप थोड़ा ही देर से आए। आप कल और जल्दी आ सकते हैं। हो सकता है कि इससे कर्मचारी के मन पर थोड़ा असर पड़े और वह जल्दी आने के लिए प्रेरित हो, जबकि दूसरी ओर अगर आपने उसे डांटा है तब उसका नकारात्मक असर ही पड़ेगा। वह ऑफिस में जल्दी जरूरी आएगा, पर अपना आउटपुट जैसा चाहिए वैसा नहीं देगा। घर पर भी युवाओं या किशोरों से बातचीत के दौरान या सामान्य रूप से बातचीत के दौरान भी अगर आप किसी विवाद को समाप्त करना चाहते हैं तब बातचीत की शुरुआत जिन मुद्दों पर असहमति है उनसे न करके जिन बातों पर सहमति है, उससे करेंगे तब बात बनेगी जरूर। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में किसी भी उत्पाद या किसी अन्य कंपनी से डील करते वक इस बात का ध्यान रखा जाता है। दोनों साझा रूप से किन बातों पर सहमत हैं। एक बार हां की मुहर लग जाने के बाद अन्य बातें करने में आसानी हो जाती है। थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी का उपयोग कहां, कब और कितना करना यह भी जानना जरूरी है। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भावनाओं की कद्र थोड़ी कम ही होती है और खासतौर पर सेल्स के क्षेत्र में कंपनियों को टारगेट पूर्ण होने से मतलब होता है। इस कारण सॉरी की बात ही न कहें, बल्कि तर्क के सहारे अपनी बात रखें।

संक्षिप्त समाचार

नेतन्याहू के देश छोड़ने की खबरों से मचा हड़कंप, विमान की बर्लिन में लैंडिंग ने बढ़ाया रहस्य तेलअवीव,।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की पुष्टि और उसके बाद उपजे युद्ध के हालातों के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेकर सोशल मीडिया पर दावों का बाजार गर्म है। शनिवार को जैसे ही इजरायल और अमेरिका ने तेहरान पर भीषण हमले शुरू किए, डिजिटल प्लेटफॉर्मस पर यह खबर तेजी से फैल गई कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू सुरक्षा कारणों से देश छोड़कर किसी सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं। अपुष्ट दावों में कहा गया कि वे ग्रीस भाग गए हैं, जबकि कुछ रिपोर्ट्स में उनके विमान के इजरायली तट पर घंटों चक्कर काटने की बात कही गई है। इन तमाम अटकलों के बीच विमानन डेटा ने एक नई और रहस्यमयी कहानी पेश की है। इजरायली प्रधानमंत्री के आधिकारिक विमान विंग ऑफ सियोन, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर है, उसे फ्लाइट रडार पर ट्रैक किया गया। डेटा के अनुसार, यह बोइंग विमान बीरशेबा के नेवाततिyim एयरबेस से दोपहर 12:10 बजे रवाना हुआ। लगभग चार घंटे तक इजरायली समुद्र तट के ऊपर मंडराने के बाद, विमान ने अपना रुख बदला और 28 फरवरी की रात को जर्मनी की राजधानी बर्लिन में लैंड हुआ।

हैरानी की बात यह है कि बर्लिन में प्रधानमंत्री की कोई पूर्व निर्धारित बैठक या आधिकारिक यात्रा तय नहीं थी, जिससे संशय और गहरा गया है।

सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने दावा किया कि शुरूआत में विमान ने ग्रीस में उतरने की कोशिश की थी, लेकिन अनुमति न मिलने के कारण उसे जर्मनी ले जाया गया। हालाँकि, स्वतंत्र पत्रकारों और फैक्ट-चेकर्स ने इन खबरों को फिलहाल निराधार बताया है। उनका तर्क है कि नेतन्याहू ने शनिवार को इजरायल से ही एक वीडियो बयान जारी किया था, जिसमें उन्होंने ईरान पर हुए हमलों और वहां के नेतृत्व के अंत की जानकारी दी थी। अंतरराष्ट्रीय समाचार संस्थानों ने भी अभी तक उनके देश छोड़ने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इससे पहले भी युद्ध के दौरान इस तरह के भ्रामक दावे किए गए थे, जो बाद में गलत साबित हुए। यह रहस्यमय स्थिति ऐसे समय में बनी है जब ईरान ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार कर लिया है कि खामेनेई की मौत हो चुकी है और उनका शव बरामद कर लिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए इसे एक नए युग की शुरूआत बताया है। अब सवाल यह उठता है कि क्या विंग ऑफ सियोन को केवल सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत खाली ही बर्लिन भेजा गया था या प्रधानमंत्री वाकई युद्ध के चरम पर देश से बाहर हैं? इजरायली सरकार की ओर से प्रधानमंत्री की वर्तमान लोकेशन को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट बयान जारी नहीं किया गया है, जिसने इस सस्पेंस को बरकरार रखा है।

अहमद वाहिदी बने नए कमांडर-इन-चीफ, खामेनेई के परिवार पर भी संकट के बादल तेहरान।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत और अमेरिका व इजरायल के भीषण हमलों के बीच तेहरान ने अपनी सैन्य कमान में बड़े बदलाव का ऐलान किया है। अहमद वाहिदी को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स का नया कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया गया है। वाहिदी को ईरान की सैन्य रणनीति का मुख्य मास्टरमा-इंड माना जाता है, विशेष रूप से विदेशी खुफिया ऑपरेशनों और रक्षा प्रणालियों के विकास में उनकी विशेषज्ञता जगजाहिर है। इससे पहले, 31 दिसंबर 2025 को खामेनेई ने उन्हें डिप्टी कमांडर-इन-चीफ की जिम्मेदारी सौंपी थी। 67 वर्षीय अहमद वाहिदी का करियर बेहद प्रभाव-शाली और विवादों से भरा रहा है।वे 1988 से 1998 तक कुदूस फोर्स के पहले कमांडर रहे, जो ईरान के बाहर सैन्य अभियानों का संचालन करती है। इसके अलावा, उन्होंने रक्षा मंत्री और गृह मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उनके पास रणनीतिक अध्ययन में पीएचडी की डिग्री है। हालाँकि, वाहिदी का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तब चर्चा में आया जब 1994 में अर्जेंटीना के व्यूनस आयर्स में एक यहूदी केंद्र पर हुए बम विस्फोट में उनकी कथित सलिपता के लिए इंटरपोल ने उनके खिलाफ रेड नोटिस जारी किया। उन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ाव के कारण अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा कड़े प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। एक तर्फ जहां सैन्य नेतृत्व में बदलाव हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सर्वोच्च नेता खामेनेई के परिवार को लेकर भी विचलित करने वाली खबरें सामने आ रही हैं। अपुष्ट रिपोर्टों और सोशल मीडिया दावों के अनुसार, इजरायली और अमेरिकी हमलों में खामेनेई के दामाद और बहू की भी मौत हो गई है। तेहरान सिटी कार्डसिल के सदस्य मौसम मुजप्फर ने दावा किया है कि इस हमले में सर्वोच्च नेता के परिवार के सदस्य हताहत हुए हैं, हालाँकि आधिकारिक तौर पर अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है। खामेनेई के तीन बेटे और दो बेटियाँ हैं, जिनके परिवार ईरान के रसूखदार धार्मिक और राजनीतिक घरानों से ताल्लुक रखते हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इनके किस बेटे की पत्नी या किस बेटी के पति इस हमले का शिकार हुए हैं। ईरान के भीतर इस समय भावनाओं का ज्वार दो विपरीत दिशाओं में बह रहा है। जहां एक ओर खामेनेई की मौत पर शोक और आक्रोश है, वहीं दूसरी ओर तेहरान के कुछ हिस्सों से जश्न की खबरें भी मिल रही हैं।

दिन में भिखारी और रात में लगजरी कारों का मालिक, 3 आलीशान गाड़ियों वाला ठग गिरफ्तार दुबई,।

संयुक्त अरब अमीरात (यूई) के सबसे आधुनिक शहर दुबई से एक ऐसा चौकाने वाला मामला सामने आया है जिसने मानवीय संवेदनाओं और दान की परंपरा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दुबई पुलिस ने एक ऐसे शातिर ठग को गिरफ्तार किया है जो दिन के उजाले में फटे कपड़े पहनकर और थका हुआ चेहरा लेकर सड़कों पर लोगों से मदद की गुहार लगाता था, लेकिन रात होते ही वह आलीशान जिंदगी जीता था। जांच में खुलासा हुआ कि यह व्यक्ति कोई मजबूर भिखारी नहीं, बल्कि करोड़ों की संपत्ति का मालिक है। पुलिस की एंटी-बेगिंग मुहिम के दौरान पकड़े गए इस आरोपी के पास से एक-दो नहीं, बल्कि तीन लम्जरी कारें बरामद हुई हैं, जिन्हें उसने भीख मांगकर जुटाए गए पैसों से खरीदा था।

अधिकारियों के मुताबिक, इस आरोपी ने भीख मांगने को एक फुल-टाइम बिजनेस बना लिया था। रमजान के पवित्र महीने के दौरान जब लोगों में दान और सहानुभूति की भावना बढ़ जाती है, तब यह आरोपी सक्रिय हो जाता था। वह सड़कों पर खड़ा होकर लोगों को अपनी बीमारी, भारी कर्ज या पारिवारिक संकट की झूठी और भावुक कहानियां सुनाता था। दुबई पुलिस के क्रिमिनल फिनोमेना विभाग के निदेशक ब्रिगिडियर अली अल शम्सी ने बताया कि आरोपी की गतिविधियां पूरी तरह से योजनाबद्ध थीं। वह रोजाना तय स्थानों पर जाकर लोगों की भावनाओं से खेलता था और दिन खत्म होने के बाद अपनी महंगी कारों में सवार होकर वहां से निकल जाता था। उसकी बैंकिंग गतिविधियों और रहन-सहन के स्तर ने जांच अधिकारियों को भी हैरान कर दिया है।

भारत के औद्योगिक इतिहास में ऐतिहासिक दिन: पहला सेमीकंडक्टर प्लांट राष्ट्र को समर्पित

गुजरात को रेलवे क्षेत्र में रिकॉर्ड रु 17,366 करोड़ का बजट आवंटन

नवप्रदेश/गांधीनगर, रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 28 फरवरी और 01 मार्च 2026 को गुजरात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांधीनगर स्थित गुजरात सेमीकंडक्टर कॉन्फ्रेंस 2026 में मीडिया को संबोधित किया।

अपने संबोधन में मंत्री महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के औद्योगिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए देश के पहले सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया है। भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग स्थापित करने का जो संकल्प लिया गया था, वह अब साकार हो रहा है।

उन्होंने बताया कि स्वीकृत 10 सेमीकंडक्टर प्लांट्स में से चार का उद्घाटन एवं उत्पादन वर्ष 2026 में प्रस्तावित है, जिनमें से एक का शुभारंभ हो चुका है तथा तीन अन्य इसी वर्ष प्रारंभ होंगे। अन्य

परियोजनाओं पर भी तीव्र गति से कार्य जारी है।

धोलेरा में टाटा फैब सहित विकसित हो रहा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम देश के लिए मील का पथर सिद्ध होगा। इस दिशा में राज्य सरकार के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों के लिए माननीय मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल

का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश,

विकास को नई गति

वर्तमान में राज्य में रु1,28,748

करोड़ की लागत से विभिन्न रेलवे

परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।

राज्य के 87 रेलवे स्टेशनों का

पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें

खौफनाक मंजर: दुबई के आसमान में दिखीं मिसाइलें, साउथ एक्टर विष्णु मांचू ने बयां किया आंखों देखा हाल

दुबई,। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के भीषण सैन्य हमलों के बाद पूरे मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) में युद्ध की आग फैल गई है। 28 फरवरी की रात तेहरान समेत कई शहरों पर हुए हमलों के जवाब में ईरान ने भी अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागकर स्थिति को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है। इस जंग का असर अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तक पहुंच गया है, जहां दुबई जैसे आधुनिक शहर के आसमान में भी मिसाइलों की रोशनी और धमाकों की गूंज सुनाई दे रही है। इस डरावने मंजर के बीच वहां फंसे भारतीय नागरिकों और मशहूर हस्तियों में भारी डर व्याप्त है। प्रसिद्ध साउथ फिल्म एक्टर और प्रोड्यूसर विष्णु मांचू ने दुबई से एक रंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो साझा कर वहां के हालातों की जानकारी दी है। विष्णु मांचू इस समय अपने परिवार के साथ छुट्टियां बिताने दुबई गए हुए हैं, लेकिन वहां उन्हें युद्ध की विभीषिका का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि रात के समय उनके घर के ठीक ऊपर आसमान में मिसाइलें साफ दिखाई दे रही थीं। हवा में हो रहे धमाकों की गूंज इतनी तेज थी कि उनका पूरा घर बुरी तरह दहल गया। अभिनेता ने बेहद भावुक होते हुए साझा किया कि इन धमाकों की आवाज सुनकर उनकी छोटी बेटी आघरा बुरी तरह सहम गई और डर के मारे कांपने लगी। एक पिता के रूप में अपनी मासूम बच्ची को इस तरह आतंकित देखना उनके लिए सबसे मुश्किल पल था। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस भयावह दृश्य का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि दुनिया में किसी भी बच्चे को अपने घर के ऊपर युद्ध के शोर के बीच बड़ा नहीं होना चाहिए। अभिनेता ने संकट की इस घड़ी में नागरिकों की सुरक्षा के लिए यूएई रक्षा बलों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि ऐसे लम्हे हमें याद दिलाते हैं कि जिंदगी कितनी नाजुक है। उन्होंने विष्व शांति के लिए प्रार्थना करते हुए हर हर महादेव के नारे के साथ अपनी पोस्ट का अंत किया। विष्णु मांचू का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर भारत में मौजूद उनके प्रशंसक उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा को लेकर खासे चिंतित हैं। कमेंट सेक्शन में लोग लगातार उन्हें सुरक्षित स्थान पर रहने और सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। गौरतलब है कि दुबई में केवल विष्णु मांचू ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड अभिनेत्री सोनल चौहान भी फंसी हुई हैं। बिगड़ते हालातों और बंद होते एयरस्पेस के बीच सोनल ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुहार लगाई है। मिडल ईस्ट के आसमान में मंडराते ये मिसाइल हमले न केवल वैश्विक राजनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि वहां रह रहे हजारों भारतीयों की सुरक्षा पर भी बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर रहे हैं। फिलहाल, सभी की नजरें भारत सरकार के अगले कदम और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर टिकी हैं ताकि वहां फंसे नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा सके।

ईरान में तख्तापलट: खामेनेई की मौत के बाद बेटे मौजतबा ने संभाली देश की कमान

तेहरान,।

ईरान के राजनीतिक गलियारों और वैश्विक कूटनीति में उस समय हड़कंप मच गया जब तेहरान से सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत की आधिकारिक पुष्टि हुई। सरकारी सूचनाओं के अनुसार, 28 फरवरी को तेहरान स्थित सर्वोच्च नेता के दफ्तर की निशाना बनावर किए गए एक भीषण हवाई हमले में 86 वर्षीय अली खामेनेई की जान चली गई। बताया जा रहा है कि यह हमला सीधे तौर पर ईरान के सबसे सुरक्षित और महत्वपूर्ण सरकारी ठिकानों को ध्वस्त करने के उद्देश्य से किया गया था। इस अप्रत्याशित घटना के तुरंत बाद ईरान की सत्ता संरचना में तेजी से बदलाव करते हुए उनके बेटे मौजतबा खामेनेई को देश का नया सर्वोच्च नेता चुन लिया गया है। ईरान की सरकार ने इस राष्ट्रीय क्षति पर 40 दिनों के शोक का ऐलान किया है और सात दिनों की देशव्यापी सार्वजनिक छुट्टी घोषित कर दी गई है।



वर्तमान में पूरे ईरान में सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत कड़ी कर दी गई है। राजधानी तेहरान सहित सभी बड़े शहरों और संवेदनशील सरकारी इमारतों के बाहर अतिरिक्त सुरक्षा बलों और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की तैनाती की गई है ताकि किसी भी तरह के आंतरिक विद्रोह या बाहरी हस्तक्षेप को रोका जा सके। नए सर्वोच्च नेता के रूप में मौजतबा खामेनेई का उदय ईरान के भविष्य के लिए एक निर्णायक मोड़ माना जा रहा है। 1969 में मशहद

शहर में जन्मे मौजतबा ने कट्टर धार्मिक परिवेश में शिक्षा प्राप्त की है और ईरान-इराक युद्ध के आँतम दौर में रिवोल्यूशनरी गार्ड्स में अपनी सेवाएं भी दी हैं। हालाँकि उन्होंने कभी कोई औपचारिक सरकारी पद नहीं संभाला, लेकिन वे दशकों से अपने पिता के सबसे भरोसेमंद सलाहकार और पदों के पीछे रहकर बड़े फैसले लेने वाले रणनीतिकार के रूप में जाने जाते रहे हैं।

मौजतबा खामेनेई पहली बार वर्ष 2009 के राष्ट्रव्यापी विरोध

प्रदर्शनों के दौरान वैश्विक चर्चा में आए थे, जब उन पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त सैन्य कार्रवाई का नेतृत्व करने के आरोप लगे थे। सेना और अर्धसैनिक बलों के साथ उनके गृह संबंधों ने ही उन्हें सत्ता के शीर्ष तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उनके चयन के साथ ही ईरान के भीतर एक नई राजनीतिक बहस भी छिड़ गई है। आलोचकों का तर्क है कि 1979 की इस्लामिक क्रांति का मूल आधार ही वंशवाद का विरोध करना था, लेकिन अब सत्ता का पिता से पुत्र के हाथ में जाना उस क्रांतिकारी विचार पर सवाल खड़े करता है।

फिलहाल सैन्य नेतृत्व के पूर्ण समर्थन के कारण मौजतबा की स्थिति बेहद मजबूत नजर आ रही है। अब पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि मौजतबा खामेनेई का नेतृत्व ईरान की विदेश नीति और मध्य पूर्व में चल रहे मौजूदा युद्ध को किस दिशा में लेकर जाता है।



माफी मिल सकती है, लेकिन बाद में उन्हें केवल मौत का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने ईरानी सैनिकों से अपील की कि वे देश के देशभक्त नागरिकों के साथ मिल जाएं ताकि ईरान को फिर से एक महान राष्ट्र के रूप में खड़ा किया जा सके। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है

कि मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने के उनके लक्ष्य को पूरा करने के लिए रणनीतिक ठिकानों पर बमबारी का यह सिलसिला पूरे हफ्ते या ज़रूरत पड़ने तक लगातार जारी रहेगा। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी ट्रंप के बयान से पहले एक वीडियो संदेश

संचालन लक्ष्य

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। परियोजना पूर्ण होने के बाद मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा समय घटकर मात्र 1 घंटा 57 मिनट रह जाएगा '

भारत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है

सेमीकंडक्टर, रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे इन ऐतिहासिक निवेशों और परियोजनाओं से भारत आत्मनिर्भरता, तकनीकी प्रगति और आधुनिक अवसंरचना की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भारत वैश्विक स्तर पर औद्योगिक और अवसंरचनात्मक विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

यूएस वाणिज्य दूतावास के बाहर हिंसक प्रदर्शन, फायरिंग में 12 की मौत



कराची,।

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत की खबर के बाद पाकिस्तान के करांची में उग्र प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। एमटी खान रोड पर स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर जुटी भीड़ ने आगजनी और तोड़फोड़ की। हालात बेकाबू होने पर सुरक्षा बलों की फायरिंग में कम से कम 12 लोगों के मारे जाने और 30 से अधिक के घायल होने की खबर है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी दूतावास की ओर मार्च करते हुए पहुंचे और बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। भीड़ ने स-रक्षा बलों पर पथराव किया और परिसर में घुसने का प्रयास किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पहले आंसू गैस के गोले छोड़े गए और लाठीचार्ज किया गया, लेकिन तनाव बढ़ने पर गोलीबारी की गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, घटनाक्रम के पास कई शव मिले, जबकि घायलों को एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। करांची के सिविल अस्पताल में तैनात पुलिस सर्जन डॉ. सुमेया सैयद ने मीडिया को बताया कि छह शव अस्पताल लाए गए हैं। दो घायल पुलिसकर्मियों और दो प्रदर्शनकारियों को जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया है। घायलों में कुछ को गोली लगने की पुष्टि हुई है, जबकि पुलिसकर्मों तेज और कुंद हथिया-रों से घायल बताए गए हैं।

सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लांजार ने करांची के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक आजाद खान से तत्काल रिपोर्ट तलब की है। उनके कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा कड़ी करने के निर्देश दिए गए हैं। यातायात हुआ प्रभावित

प्रदर्शन के चलते सुल्तानाबाद ट्रैफिक संकशन से माई कोलाची तक दोनों ओर यातायात बंद कर दिया गया। कराची ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। शहर के कई हिस्सों में अतिरिक्त पुलिस और रेंजर्स बल तैनात कर दिए गए हैं। अन्य शहरों में भी विरोध प्रदर्शन मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि करांची के अलावा पाकिस्तान के अन्य शहरों में भी विरोध प्रदर्शन हुए, हालाँकि वहां स्थिति नियंत्रण में रही। लाहौर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर सैकड़ों लोग एकत्र हुए, लेकिन किसी बड़ी हिंसा की सूचना नहीं है। क्षेत्रीय विश्लेषकों का मानना है कि यह घटना मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव का असर है, जिसका प्रभाव अब दक्षिण एशिया तक पहुंच चुका है। फिलहाल कराची में हालात संवेदनशील बने हुए हैं और प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

मौत की पुष्टि के बाद बोले ट्रंप- ईरानी सैनिक सरेंडर कर दें नहीं मौत ही मिलेगी

जारी कर इस ऑपरेशन की सफलता का दावा किया था। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायली सेना ने तानाशाह खामेनेई के परिसर को पूरी तरह तबाह कर दिया है और कई पुछाा सकेत हैं कि वह अब जीवित नहीं हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस हमले में आ-ईआरजीसी के कई शीर्ष कमांडरों और ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम से जुड़े वरिष्ठ वैज्ञानिकों को भी खत्म कर दिया गया है। इजरायली सूत्रों का तो यहां तक दावा है कि खामेनेई का शव उनके नष्ट हो चुके महल के मलबे से बरामद कर लिया गया है। नेतन्याहू ने ईरानी जनता का आह्वान किया कि वे इस ऐतिहासिक मौके का फायदा उठ-ाकर सड़कों पर उतरें और अपने देश को इस तानाशाही शासन से मुक्त कराएं। दूसरी ओर, ईरान की तरफ से विरोधाभासी खबरें सामने आ रही हैं। हालाँकि कुछ ईरानी

मीडिया रिपोर्ट्स में खामेनेई के मारे जाने की बात कही गई है, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरगची ने इन दावों को खारिज करते हुए इसे मेंटल वॉरफेयर यानी मानसिक युद्ध करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि सर्वोच्च नेता और राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन सुरक्षित हैं। हालाँकि, जिस तरह से अमेरिका और इजरायल के शीर्ष नेतृत्व ने इस ऑपरेशन की जिम्मेदारी ली है और हमले के वीडियो साक्ष्य सामने आ रहे हैं, उससे ईरान के इनकार पर वैश्विक समुदाय को यकीन करना मुश्किल हो रहा है। ट्रंप ने एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में भी दोहराया है कि ईरान का अधिकांश वरिष्ठ नेतृत्व अब खत्म हो चुका है और देश के रणनीतिक ठिकानों पर सट-ीक बमबारी जारी रहेगी ताकि उनकी सैन्य शक्ति को दोबारा उभरने का मौका न मिले।